RNI Reg. No. : RAJBIL/2006/17530,
एग्रीकल्चर, इलेक्ट्रिकल, बैट्री, इनवर्टर, सोलर एवं सेनेटरी का मासिक समाचार पत्र

समस्त व्यापारी भाइयों को
नवरात्री एवं विजय दशमी
की हार्दिक शुभकामनाएँ

BUSINESS SOURCE

■ वर्ष 21 ■ अंक 05 ■ जयपुर ■ मासिक समाचार पत्र
■ प्रकाशन तिथि: 5 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य ₹ 15.00 ■ पृष्ठ 1 ■ कुल पृष्ठ 20

CONTACT FOR ADVERTISEMENT
M : 9414061717, 9314061717

पीडीएफ के लिए स्कैन करें
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
9414061717, 9314061717

TROXEL
unlocks power
Earth Power
STAY CONNECTED, STAY POWERED.
TROXEL
Krishik
Earth Power
TUBULAR
Earth Power
Longlasting services
for better use
DEALER'S ENQUIRY SOLICITED
AUTOMOTIVE | TUBULAR | E-RICKSHAW | BATTERIES
MANUFACTURED BY : TROXEL STORAGE BATTERIES COMPANY
Gokul Vihar, Sedriya, Beawar, Ajmer-305901 (Raj.)
Email : troxelbatteriesbwr@gmail.com Mob. : +91- 9929222155, 7727836575

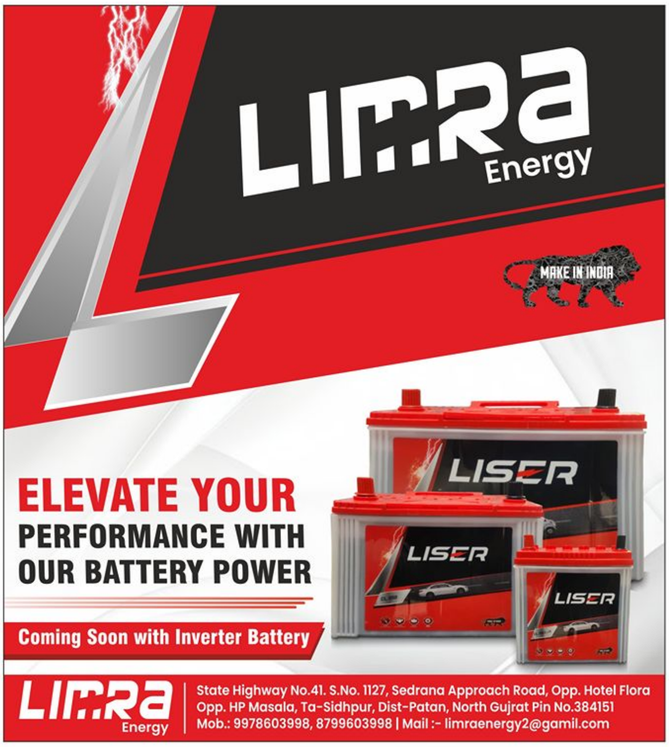
LIMRA
Energy
MAKE IN INDIA
LISER
LISER
LISER
ELEVATE YOUR
PERFORMANCE WITH
OUR BATTERY POWER
Coming Soon with Inverter Battery
LIMRA
Energy
State Highway No.41, S.No. 1127, Sedrana Approach Road, Opp. Hotel Flora
Opp. HP Masala, Ta-Sidhpur, Dist-Patan, North Gujrat Pin No.384151
Mob.: 9978603998, 8799603998 | Mail :- limraenergy2@gamil.com

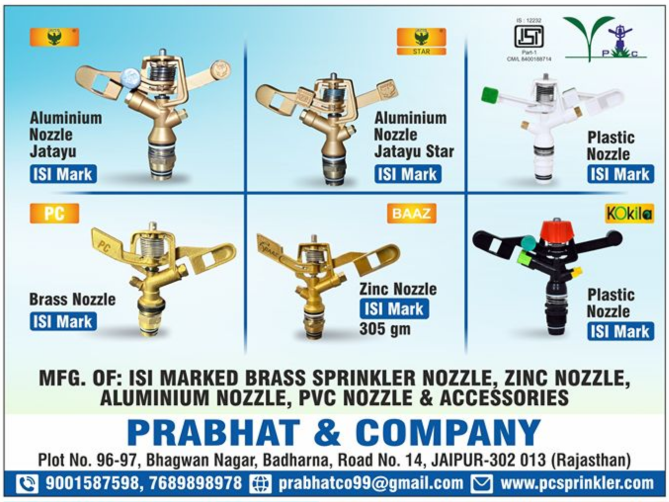
Aluminium Nozzle Jatayu
ISI Mark
Aluminium Nozzle Jatayu Star
ISI Mark
Plastic Nozzle
ISI Mark
PC
Brass Nozzle
ISI Mark
BAAZ
Zinc Nozzle
ISI Mark
305 gm
KOkila
Plastic Nozzle
ISI Mark
MFG. OF: ISI MARKED BRASS SPRINKLER NOZZLE, ZINC NOZZLE,
ALUMINIUM NOZZLE, PVC NOZZLE & ACCESSORIES
PRABHAT & COMPANY
Plot No. 96-97, Bhagwan Nagar, Badharna, Road No. 14, JAIPUR-302 013 (Rajasthan)
9001587598, 7689898978 prabhatco99@gmail.com www.pcsprinkler.com

BSN
BSN RUBBERS
Manufacturer of All Type of Clamps, Footbatten, 'C' Type Clamps
Manufacturer: ISI Marked Rubber Sealing Rings for Water Mains
Gas Mains and Sewers Type - 2, 3 & 5 (N.R., S.B.R. & E.P.D.M.)
Rubber Grommet
Sprinkler Rubber Ring
Wire Saw Ring
Clamps
RCC Pipe Rubber Ring
D/I Pipe Rubber Ring
Elastomeric UPVC Rubber Ring
'C' Type Clamps
Rubber Gasket
Rubbe O Ring
Pcc Pipe Rubber Ring
Footbatten
Works : H-1-24, Badharna, Road No.14, V.K.I. Area, Jaipur-13
Mob. : +91 9414323650, 9928643908 Email : bsnrubbers@yahoo.in

LEO™
From the house of
TAPS & LEO FITTINGS
The One You Deserve
From your garden to your kitchen,
from your bathroom to your utility space
LEO has every essential covered.
Premium Quality
Durable Performance
Trusted Reliability
MANUFACTURED BY:
SRI BALAJI PLASTICS
RAJASTHAN & GUJRAT
For Distributor Inquiry
Mob : 99444 88880 - S.Amarnath
Mob : 95463 14448 - Prashant Chaturvedi
E-mail: sales@leotaps.com
www.leotaps.com
www.watertankfilters.com
#4(1) SF No. 390/3 & 391/3C, Thudiyalur Main Road,
Maniyakarampalayam, Idigarai,
Coimbatore - 641022, Tamil Nadu.
Toll Free: 1800 889 8355 Customer Care: +91 9500 755 600

T-Shirt Print
Diary Printing
Key Chain
Writing Pads
Bag Printing
Hi-Power
टी-शर्ट, डायरी, कीचेन, नोटपैड और बैग प्रिंटिंग के लिए अभी ऑर्डर करे
Hi-Power Tradlink
S-70, IInd Floor, Agrasen Tower, Vidhyadhar Nagar,Jaipur
Mob.: 9414061717, 70149 56435

Mfg. : S. S., G.I. STEP NIPPAL, CLAMP & BRUSH
AMUL ENGINEERING
Mob.: 9428037277
Samrat Ind. Area-1
Near Jagnath Marble
Gondal Road, Rajkot-04
Email : amuleng009@gmail.com

We are Manufacture of HDFC Granules (Blue & Black)
HDPE Granules Blue (C1)
HDPE Granules Black (C1)
SP
SHARMA POLYMERS
Near Subhash Chowk, Kotputli Road, Bansur-301402
Mob.: 9990738281 | E-mail : sharmapolymers2022@gmail.com

POWER
THAT NEVER
LET'S
YOU DOWN
SF
BATTERIES
CAR BATTERY
TRACTOR / TRUCKS / BUS
E-RICKSHAW BATTERY
TWO WHEELER BATTERY
3 WHEELER BATTERY
INVERTER BATTERY
INVERTOR
42 months warranty
SINE PRO
PRO
Dealer's Enquiry Solicited
AUTHORIZED POWER NODE FOR WESTERN RAJASTHAN
ANSH BATTERIES
ANSH
817/A/2/A, 1st & 2nd Floor, Near Bank of India Behind Dalda Building Chopasni Road, JODHPUR (Raj.)
M : 9829036787, 7737066680, 9929383625, 9468849961 • E : anshbatteries.1974@yahoo.com

Commitment for Safety
MILAN POWER®
CABLES & ELECTRICAL ACCESSORIES
since 1987
सालों का अटूट विश्वास
Aura of Elegance
TRIPLE LAYER PROTECTION
WIRE & CABLE
LED LIGHT
CONDUIT PIPES
FANS
Agarwal Electro Power Pvt. Ltd., Jaipur
Customer Care Number :- 7851058589

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 780.78 अरब डॉलर पर स्थिर: RBI

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हालहीं में जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 780.78 अरब डॉलर पर स्थिर रहा। इससे पहले 4 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 785.71 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जिसमें 44.90 अरब डॉलर की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। उससे पहले 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भंडार 11.47 अरब डॉलर से बढ़कर 740.80 अरब डॉलर हो गया था।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) हैं। 4 सितंबर को समाप्त सप्ताह में इनका स्तर 648.17 अरब डॉलर रहा। उस सप्ताह एफसीए में 47.498 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह स्तर मार्च के अंत की तुलना में 95.886 अरब डॉलर और एक वर्ष पहले के मुकाबले 63.692 अरब डॉलर अधिक था। 4 सितंबर तक भारत का स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) 113.816 अरब डॉलर रहा। हालांकि सप्ताह के दौरान इसमें कुछ उतार–चढ़ाव देखा गया, फिर भी यह एक वर्ष पहले के मुकाबले 23.517 अरब डॉलर अधिक था। हालांकि मार्च के अंत की तुलना में यह 1.580 अरब डॉलर कम रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 4 सितंबर तक 18.806 अरब डॉलर रही। यह मार्च के अंत की तुलना में 184 मिलियन डॉलर और एक वर्ष पहले की तुलना में 64 मिलियन डॉलर अधिक थी। वहीं आईएमएफ के साथ भारत की रिजर्व पोजीशन 4.916 अरब डॉलर रही। यह मार्च के अंत की तुलना में 108 मिलियन डॉलर और पिछले वर्ष के समान स्तर से 168 मिलियन डॉलर अधिक थी।

कुल मिलाकर, 4 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च के अंत **शेष पृष्ठ सं. 17 पर....**

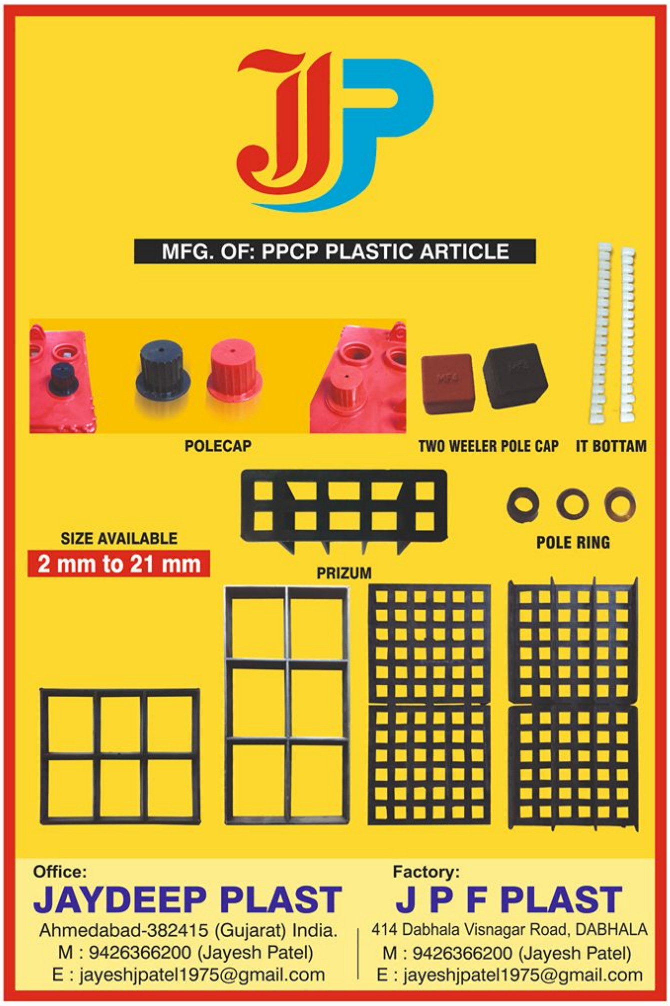

एफटीए: भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता 20 अक्तूबर से होगा लागू, गोयल बोले- व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्तूबर से लागू हो जाएगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हालहीं में इसकी जानकारी दी। यह समझौता दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार तथा निवेश को बढ़ावा देगा।

यह महत्वपूर्ण समझौता 27 अप्रैल को हस्ताक्षरित किया गया था। गोयल ने बताया कि यह समझौता दशहरा के दिन से प्रभावी होगा। इस समझौते से भारत के निर्यात को न्यूजीलैंड में 100 फीसदी शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।

वर्तमान में न्यूजीलैंड भारतीय सामान पर 10 फीसदी तक का उच्चतम शुल्क लगाता है। इनमें सिरेमिक, कालीन, ऑटोमोबाइल और ऑटो कलपुर्जे जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने भारत में 15 वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह कदम दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

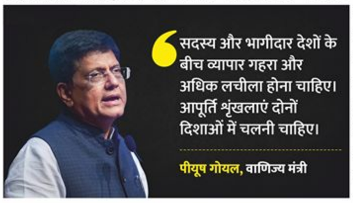

भारत को क्या लाभ मिलेगा? – यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। न्यूजीलैंड के बाजार में भारतीय उत्पादों को अब कोई शुल्क नहीं देना होगा। इससे भारतीय सामान की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी। सिरेमिक, कालीन और ऑटो कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों को विशेष फायदा होगा। यह भारत के व्यापार संतुलन के लिए सकारात्मक कदम है।

न्यूजीलैंड का निवेश क्या मायने रखता है? – न्यूजीलैंड भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा निवेश करेगा। यह निवेश भारत के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करेगा। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। यह दोनों देशों के बीच गहरे होते आर्थिक संबंधों का प्रतीक है। यह समझौता आपसी विश्वास और सहयोग को भी मजबूत करेगा।

भारत की चिप मैन्युफैक्चरिंग: सिर्फ उत्पादन नहीं, स्थानीय उत्पादों में भारतीय चिप्स का इस्तेमाल क्यों जरूरी ?

भारत को सेमीकंडक्टर विकास के अगले चरण में केवल चिप उत्पादन क्षमता बढ़ाने से आगे बढ़ना होगा। EY–IESA (इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में डिजाइन, निर्मित और पैक किए गए चिप्स का उपयोग स्थानीय उत्पादों में बढ़ाना चाहिए। इससे एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनेगा जहां घरेलू स्तर पर बने उत्पादों में भारतीय चिप्स का अधिक इस्तेमाल हो।

रिपोर्ट बताती है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा निर्णायक दौर में है। सार्वजनिक निवेश और नीतिगत ढांचे के तहत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी जा रही है। अगले चरण में भारत को घरेलू मांग और नवाचार पर आधारित आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना होगा। 2035 तक भारत का सेमीकंडक्टर खपत बाजार लगभग 200 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान में इस मांग का बड़ा हिस्सा आयातित इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों से पूरा होता है। इससे घरेलू मूल्य वृद्धि सीमित रहती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत के लिए घरेलू प्रणाली डिजाइन और उन्नत विनिर्माण को मजबूत करने का बड़ा अवसर है। इसमें उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, दूरसंचार और रक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। इन उद्योगों को मजबूत करने से सेमीकंडक्टर की मांग स्वदेशी उत्पादन का चालक बन सकती है।

क्या हैं भारत की रणनीतिक ताकतें? – रिपोर्ट ने भारत की तीन रणनीतिक ताकतों को उजागर किया है। इनमें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र शामिल है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में से एक है। साथ ही, यहां प्रतिभाओं का बड़ा समूह एक आकर्षक विनिर्माण आधार प्रदान करता है। इन ताकतों का लाभ उठाकर भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखलाओं में विशिष्ट स्थान बना सकता है।

कैसे बनेगा आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर मॉडल? – भारत के पास पारंपरिक चिप उत्पादक देशों से अलग एक मॉडल बनाने का अवसर है। यह मॉडल डिजाइन–नेतृत्व विनिर्माण और उन्नत पैकेजिंग पर केंद्रित होगा। इसमें कंपाउंड सेमीकंडक्टर, **शेष पृष्ठ सं. 15 पर.**

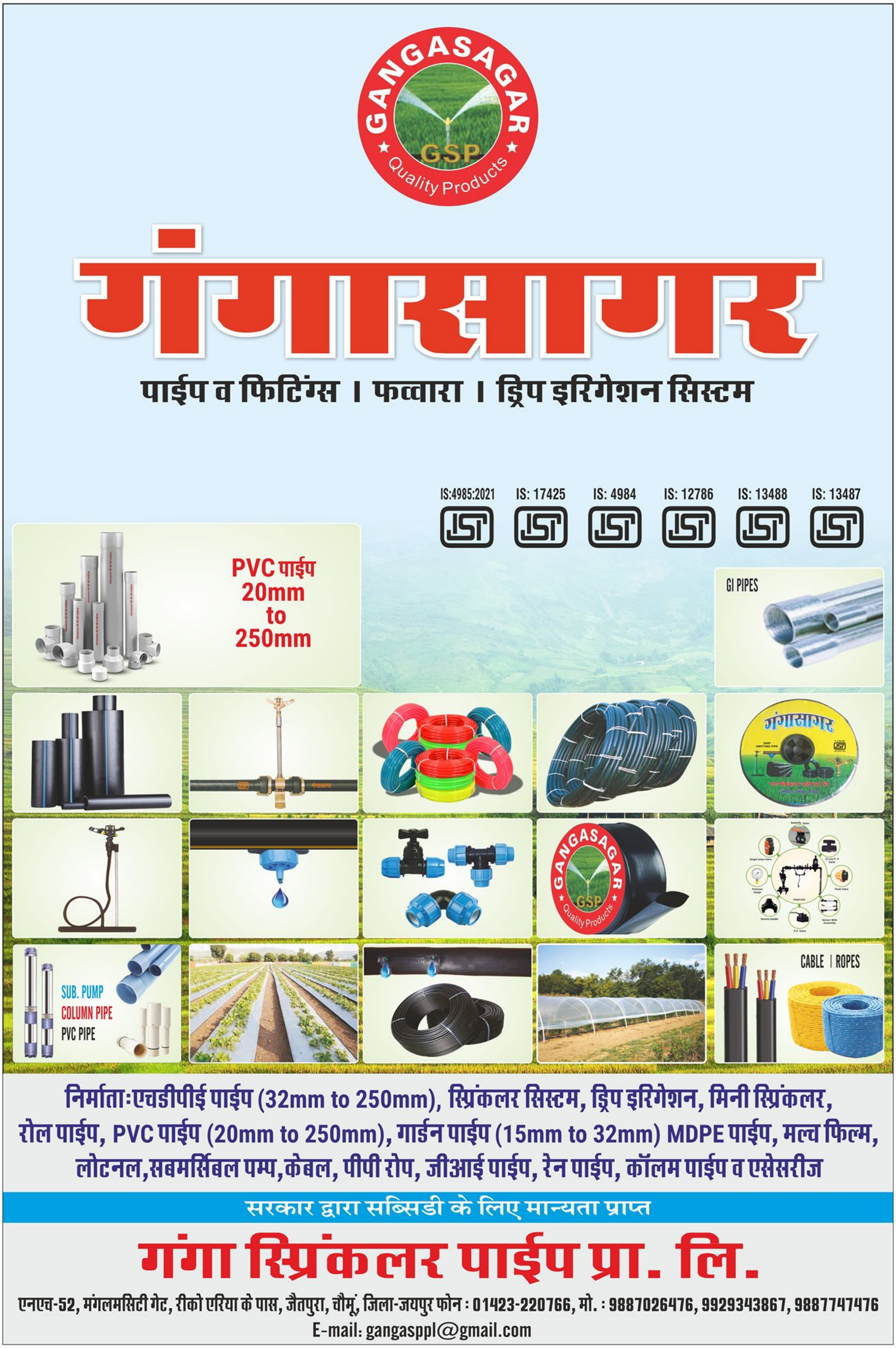
GANGASAGAR
GSP
Quality Products
गंगासागर
पाईप व फिटिंग्स । फव्वारा । ड्रिप इरिगेशन सिस्टम
IS:4985:2021
IS: 17425
IS: 4984
IS: 12786
IS: 13488
IS: 13487
PVC पाईप 20mm to 250mm
GI PIPES
SUB. PUMP
COLUMN PIPE
PVC PIPE
CABLE | ROPES
निर्माता:एचडीपीई पाईप (32mm to 250mm), स्प्रिंकलर सिस्टम, ड्रिप इरिगेशन, मिनी स्प्रिंकलर,
रोल पाईप, PVC पाईप (20mm to 250mm), गार्डन पाईप (15mm to 32mm) MDPE पाईप, मल्च फिल्म,
लोटनल,सबमर्सिबल पम्प,केबल, पीपी रोप, जीआई पाईप, रेन पाईप, कॉलम पाईप व एसेसरीज
सरकार द्वारा सब्सिडी के लिए मान्यता प्राप्त
गंगा स्प्रिंकलर पाईप प्रा. लि.
एनएच-52, मंगलमसिटी गेट, रीको एरिया के पास, जैतपुरा, चौमूं, जिला-जयपुर फोन : 01423-220766, मो. : 9887026476, 9929343867, 9887747476
E-mail: gangasppl@gmail.com

पीएम मोदी और शी जिनपिंग की वार्ता में व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन और बाजार पहुंच पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को नई दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन से जुड़ी चिंताओं और एक–दूसरे के बाजारों तक सार्थक एवं पूर्वानुमेय पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत पर

चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को संतुलित एवं टिकाऊ बनाने से जुड़े मुद्दों पर विचार–विमर्श किया।

लोगों के बीच संपर्क और व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने पर जोर विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संपर्क में हुई प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने सांस्कृतिक आदान–प्रदान, व्यापारिक संबंधों और दोनों देशों के नागरिकों की आवाजाही को और बढ़ावा देने की जरूरत पर भी जोर दिया।

संरचनात्मक व्यापार असंतुलन दूर करने पर सहमति – आर्थिक और व्यापारिक संबंधों पर चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने संरचनात्मक व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन से जुड़ी चिंताओं और एक–दूसरे के बाजारों तक बेहतर, भरोसेमंद और पूर्वानुमेय पहुंच सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों के समाधान की आवश्यकता पर सहमति जताई।

सात साल बाद भारत आए हैं शी जिनपिंग – यह द्विपक्षीय बैठक नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई। करीब सात वर्षों बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यह पहली भारत यात्रा है। साथ ही, यह लगातार तीसरा वर्ष है जब पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी की मुलाकात हुई है। इससे पहले दोनों नेताओं की मुलाकात कजान और तियानजिन में हुई थी।

रणनीतिक दृष्टिकोण से संबंध आगे बढ़ाने की बात – बैठक के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों के दीर्घकालिक विकास को रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेद होने के बावजूद वे साझा विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक–दूसरे का सहयोग और समर्थन करने में सक्षम रहे हैं।

पीएम मोदी ने चीन के सहयोग के लिए जताया आभार – पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन के सहयोग और समर्थन के लिए राष्ट्रपति शी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों के पास द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा करने का अवसर है।

112 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ व्यापार घाटा – भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। वित्त वर्ष 2025–26 में यह बढ़कर 112.16 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2024–25 में यह 99.21 अरब डॉलर था। बढ़ते व्यापार घाटे ने दोनों देशों के बीच व्यापार को अधिक संतुलित और टिकाऊ बनाने की जरूरत को प्रमुख बना दिया है।

चीन को भारत का निर्यात भी बढ़ा – वित्त वर्ष 2025–26 में भारत का चीन को निर्यात 36. 62: बढ़कर 19.47 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन से आयात 16. 03: बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया। आयात में तेज बढ़ोतरी के कारण दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा और बढ़ गया।

151 अरब डॉलर के पार पहुंचा द्विपक्षीय व्यापार – इसी अवधि में भारत और चीन के बीच कुल वस्तु व्यापार 18.31% बढ़कर 151.10 अरब डॉलर पहुंच गया। चीन अमेरिका को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। हालांकि, व्यापार असंतुलन केवल उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ा मुद्दा नहीं है। भारत चीन से बड़ी मात्रा में औद्योगिक कच्चा माल, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर और पूंजीगत सामान आयात करता है, जिनका इस्तेमाल भारतीय उद्योगों में उत्पादन और रोजगार सृजन के लिए होता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी आयात में चीन की बड़ी हिस्सेदारी – ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कंप्यूटर और ऑर्गेनिक केमिकल्स जैसे चार प्रमुख क्षेत्र भारत के चीन से होने वाले आयात का करीब 66% हिस्सा हैं। भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स आयात का करीब 43% और मशीनरी एवं कंप्यूटर आयात का करीब 40% चीन से करता है।

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर निर्भरता – रिपोर्ट के अनुसार, भारत छह महत्वपूर्ण खनिजों की अपनी जरूरत का 40% से अधिक हिस्सा चीन से आयात करता है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (EV), इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल और रक्षा क्षेत्र की सप्लाई चेन चीन पर काफी हद तक निर्भर रहती है। ऐसे में चीन की ओर से इन महत्वपूर्ण निर्यातों पर रोक या प्रतिबंध लगाए जाने की स्थिति में भारत की सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है।

भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाने की चीन की उम्मीद – दूसरी ओर, चीन भारत से निवेश नियमों में ढील की उम्मीद कर रहा है, ताकि उसकी कंपनियां तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार में अधिक निवेश कर सकें। ऐसे में दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच, निवेश और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

GST सपाट, फिर भी GDP ग्रोथ 7.8% ? भारत के आर्थिक आंकड़ों पर क्यों उठे सवाल

वर्ष 2010 के अंत में जब यूरो–जोन संकट चरम पर था, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और यूरोपीय संघ ने आईएमएफ के पूर्व अर्थशास्त्री एंड्रियास जॉर्जियो को एथेंस में ग्रीस की नई सांख्यिकी एजेंसी, हेलेनिक सांख्यिकी प्राधिकरण (एलस्टैट) का प्रमुख नियुक्त किया। उनका कार्य सीधा–सादा प्रतीत होता था: यह पता लगाना कि ग्रीस की सार्वजनिक वित्तीय स्थिति कितनी खराब हो गई है और सही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना करना।

ग्रीस की सरकारें वर्षों से राजकोषीय आंकड़ों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही थीं। वे रक्षा सहित अपने स्वयं के खर्चों के कुछ हिस्सों का हिसाब भी नहीं दे पा रही थीं। लेकिन जॉर्जियो का यह कार्य खतरनाक साबित हुआ। पदभार संभालने के कुछ ही हफ्तों के भीतर उनके ईमेल हैक हो गए। कुछ ही महीनों में उन पर राष्ट्रीय हित के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगा। अभियोजकों ने अंततः ग्रीस के आंकड़ों को सुधारने के लिए लाए गए व्यक्ति पर आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगाया। उनका कथित अपराध यह था कि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंकड़े सही होने चाहिए।

हाल के दिनों में भी यही देखने को मिला जब भारत ने दावा किया कि जून में समाप्त तिमाही में उसकी अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी बढ़ी। आलोचकों ने तुरंत इस आंकड़े पर सवाल उठाए और इस तरह भारत में जीडीपी को लेकर चल रहे तीखे विवादों का एक और दौर शुरू हो गया।

जीडीपी का आंकड़ा मात्र एक अनुमान है। सांख्यिकीविद, अन्य देशों के सांख्यिकीविदों की तरह, नमूने, सर्वेक्षण, कंपनी खाते, कर विवरण और प्रशासनिक आंकड़ों के साथ काम करते हैं। जहां जानकारी अधूरी होती है, वहां वे अनुमान लगाते हैं। जहां बाद में बेहतर जानकारी मिलती है, वहां वे अनुमानों को संशोधित करते हैं। भारत की समस्या कई समृद्ध देशों की तुलना में अधिक गंभीर है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी), डिजिटल भुगतान और ई–वे बिलों के कारण औपचारिक अर्थव्यवस्था का दस्तावेजीकरण तेजी से बेहतर हो रहा है। लेकिन लाखों छोटे उद्यम और श्रमिक अभी भी आंकड़ों की पहुंच से बाहर हैं। 2022–23 को आधार वर्ष मानते हुए नई भारतीय श्रृंखला एक काफी बदली हुई अर्थव्यवस्था और सूचना के नए स्रोतों को शामिल करने का प्रयास करती है। यह निश्चित रूप से अप्रचलित सांख्यिकीय मानचित्र पर अनिश्चित काल तक टिके रहने से बेहतर है। इसलिए, यह पूछना समझदारी है कि क्या अर्थव्यवस्था की अन्य

गतिविधियों की तुलना में 7.8 फीसदी का आंकड़ा तर्कसंगत है। सौभाग्य से, आर्थिक कारक हर जगह संकेत छोड़ते हैं। करों से शुरुआत करें।

मासिक सकल जीएसटी आंकड़ा आर्थिक मजबूती का एक पसंदीदा मापक बन गया है। दो वर्षों की दो अंकों की वृद्धि के बाद, 2025–26 में जीएसटी वृद्धि सपाट रही, भले ही उस वर्ष जीडीपी वृद्धि 7.1 फीसदी थी।

अब इस वर्ष की अप्रैल–जून तिमाही को देखें, जब वृद्धि दर 7.8 फीसदी तक पहुंचने का दावा किया गया है। शुद्ध जीएसटी राजस्व में 7.1 फीसदी की वृद्धि हुई, लेकिन इसमें घरेलू जीएसटी में केवल 2.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि आयात पर जीएसटी में 26 फीसदी की भारी वृद्धि हुई।

जीएसटी के अलावा जून तिमाही के अन्य सभी आंकड़े ठोस विस्तार की ओर इशारा करते हैं। अग्रिम कर भुगतान, जो शायद सबसे दिलचस्प है, में 15. 3 फीसदी की वृद्धि हुई, जिसमें अग्रिम कॉरपोरेट टैक्स में 16फीसदी और नॉन–कॉरपोरेट भुगतान में 12.7 फीसदी की वृद्धि हुई।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स विस्तार के दायरे में है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत की हमेशा से कमजोर रही निर्यात श्रेणी में अप्रैल–जुलाई में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। भारत के माल और सेवाओं के निर्यात में वार्षिक आधार पर 13. 2 फीसदी की वृद्धि हुई। अकेले माल निर्यात में 17 फीसदी की वृद्धि हुई। निवेश से यह पता चलता है कि जीडीपी के आंकड़े वास्तविकता पर आधारित हैं या नहीं। अप्रैल–जून तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में वास्तविक रूप से 11.9 फीसदी की वृद्धि हुई, जो पिछली 13 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। निवेश जीडीपी का 34.3 फीसदी रहा, जबकि एक वर्ष पहले यह 31.4 फीसदी था। वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में लगभग 30 फीसदी की वृद्धि हुई है।

बड़ा सवालः आय में वृद्धि – सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आम जनता की खपत (जो जीडीपी की लगभग 63 फीसदी है) भी बढ़ रही है। आम खपत में वृद्धि के लिए आय में मजबूत वृद्धि आवश्यक है। दुर्भाग्य से, वास्तविक मजदूरी कई वर्षों से लगभग स्थिर या घट रही है। आर्थिक समीक्षा 2025–26 के आंकड़ों के अनुसार, पुरुष स्वरोजगार कामगारों की वास्तविक मासिक आय 2017–18 में लगभग 9,454 रुपये से घटकर 2023–24 में लगभग 8,591 रुपये रह गई है दृ यानी नौ फीसदी की वास्तविक गिरावट। महामारी के बाद से ग्रामीण गैर–कृषि मजदूरी में वृद्धि लगभग शून्य रही हैय और कृषि मजदूरी में वार्षिक वृद्धि दो फीसदी से भी कम है।

कंपनियों के मुनाफे में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद, 2012–24 के दौरान वास्तविक वेतनभोगी मजदूरी में संचयी रूप से लगभग चार फीसदी की गिरावट आई है। जीडीपी की 7. 8 फीसदी वृद्धि पर सबसे बड़ा संदेह इसी बात से पैदा होता है। यदि सरकार को वास्तविक दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना है, तो उसे विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार से आय वृद्धि पर ध्यान देना होगा, जिसे निर्यात के लिए लक्षित भारी मात्रा (प्रति वर्ष 80–100 अरब डॉलर) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश द्वारा वित्त पोषित किया जाना चाहिए। तब सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि स्वतः ही हो जाएगी।

भारत का बैटरी उद्योग 2029–30 तक पैदा कर सकता है 15–20 लाख रोजगारः एडेको इंडिया

देश का बैटरी उद्योग 2029–30 तक 15–20 लाख रोजगार पैदा कर सकता है। प्रतिभा समाधान कंपनी एडेको इंडिया ने यह अनुमान जताया है।

एडेको के अनुसार, उद्योग अब पूंजी और रोजगार के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहा है और आयात–निर्भर असेंबली क्षेत्र से आगे बढ़कर सेल निर्माण से लेकर बैटरी पुनर्चक्रण तक एकीकृत औद्योगिक तंत्र का रूप ले रहा है।

एडेको इंडिया के निदेशक एवं जनरल स्टाफिंग प्रमुख दीपेश गुप्ता ने बताया कि भारत का बैटरी उद्योग लिथियम–आयन सेल के आयात और उनकी असेंबली से आगे बढ़कर देश में बैटरी निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सेल से लेकर पूरी बैटरी और पुनर्चक्रण तक की गतिविधियां शामिल हैं।

एडेको इंडिया के अनुसार, 2030 तक इस क्षेत्र में 15–20 लाख रोजगार पैदा हो सकते हैं। इनमें करीब 25 प्रतिशत प्रत्यक्ष और 75 प्रतिशत अप्रत्यक्ष रोजगार होंगे। इस क्षेत्र में नियुक्तियां हर साल 25–30 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

एडेको इंडिया के मुताबिक, आने वाले समय में भर्ती का रुख अधिक कुशल पेशेवरों की ओर होगा। इनमें विद्युत–रसायन, पदार्थ विज्ञान, बैटरी इंजीनियरिंग, विनिर्माण और पुनर्चक्रण के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

गुप्ता ने कहा, ''वर्तमान में बैटरी विनिर्माण क्षमता करीब 60 गीगावाट घंटा है और 2026 के अंत तक इसके करीब 100 गीगावाट घंटा तक पहुंचने की उम्मीद है। गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा और तेलंगाना में प्रस्तावित गीगाफैक्टरी निवेश के साथ यह क्षेत्र असेंबली से आगे बढ़कर पूर्ण औद्योगिक तंत्र तैयार कर रहा है।''

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Mobile
9414061717
9314061717

व्यापार की चिंताओं पर भारत-चीन के बीच जारी रहेगी बातचीत, 112 अरब डॉलर के घाटे पर सरकार की नजर

भारत और चीन के बीच संरचनात्मक असंतुलन से

लेकर आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं तक द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रहने की संभावना है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने आज यह जानकारी दी।

अग्रवाल की यह टिप्पणी शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात के बाद आई है। केंद्रीय **शेष पृष्ठ सं. 13 पर....**

'मेरे लिए कठिन था,' पोलियो नहीं रोक पाया हौसले की उड़ान, ऐसा किया काम कि अब सालाना 1 करोड़ कमाई

नई दिल्ली: यह कहानी है 62 साल के गेनाभाई दरगाभाई पटेल की। वह गुजरात के बनासकांठा जिले के छोटे से गांव सरकारी गोलिया के रहने वाले हैं। उन्हें अनार दादा के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने साबित किया है कि अगर सही दिशा और सोच के साथ खेती की जाए तो यह समृद्धि का बड़ा जरिया बन सकती है। सिर्फ 1 साल की उम्र में गेनाभाई पोलियो के कारण शारीरिक रूप से दिव्यांग हो गए थे। साल 2005–06 में शुरू किए गए अनार की खेती के प्रयोग ने उनकी जिंदगी बदल दी। आज वह इससे सालाना 1 करोड़ रुपये तक का कारोबार कर रहे हैं। साल 2017 में उन्हें 'पद्म श्री' से भी नवाजा गया था।

आइए, यहां गेनाभाई दरगाभाई पटेल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। गेनाभाई पटेल का परिवार पहले गेहूं, जीरा, अरंडी और बाजरा जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करता था। इससे सालाना सिर्फ 50,000 से 80,000 रुपये ही कमाई हो पाती थी। साथ ही, उनके इलाके में भूजल स्तर लगभग 1,000 फीट नीचे चला गया था। पानी की भयंकर किल्लत थी। शारीरिक अक्षमता के कारण पारंपरिक खेती में भारी शारीरिक श्रम करना उनके लिए कठिन था। इस संकट से निकलने के लिए उन्होंने इंटरनेट, किताबों और नासिक (महाराष्ट्र) के किसानों से जानकारी जुटाकर कम पानी में उगने वाली अनार की खेती चुनने का फैसला किया। साल 2005–06 में उन्होंने नासिक से 5 रुपये प्रति पौधे के हिसाब से 18,000 पौधे खरीदे। 90,000 रुपये के शुरुआती निवेश के साथ अपनी बंजर जमीन पर अनार की बागवानी की नींव रखी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, 'पोलियो के कारण पारंपरिक खेती का काम मेरे लिए कठिन था। इसलिए अनार की खेती एक व्यावहारिक विकल्प लगी।'

गेनाभाई ने खेती में वैज्ञानिक और पूरी तरह से प्राकृतिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने गड्ढों को कड़ी धूप में खुला छोड़कर मिट्टी के हानिकारक **शेष पृष्ठ सं. 12 पर....**

गुर्जर एग्रो CRI — ड्रीप, फव्वारा, सौर ऊर्जा पम्प व लाईट, PCV पाईप्स, HDPE पाईप्स सबमर्सिबल पम्प एवं अन्य कृषि उपकरण मिलने का विश्वसनीय स्थान। Mo.: 9414978756, 6350375757। वीर सावरकर चौक, बस स्टेण्ड से आजाद चौक रोड़, भोपालगंज, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

MAHAVEER MACHINERY — DEALS IN PUMP & MOTORS। हमारे यहाँ पर सभी तरह के पानी के मोटर, पम्पसेट, पाइप, रस्सा, केबल एवं पैनल होलसेल एवं रिटेल रेट पर उपलब्ध है। AUTHORISED DEALER OF: Laxmi, Bhavani, Amaron, Mascot, Platinum, Texmo, Havells, Crompton, Astral, Maxsell। ADDRESS: SH-61, NAKODA RESORT, HARIPURA-KARERA ROAD, BHAGWANPURA CHORAHA (BHILWARA) Mo. 94616-20443, 70239-20625, 99826-37334

एम.एस. मशीनरी — विक्रेता ड्यूटीन कॉनाफलेक्स, मिलबोर्न पेनल स्टार्टर L&T स्टार्टर पेनल HDPE पाईप, GI पाईप फिटिंग सोमानी ऐमरी स्टोन, डायमण्ड आटा चक्की। Texmo Industries (Est. 1956) & Taro Pumps। महावीर बाजार, बिजयनगर Mo.: 9982316201, 9828759069

BHARAT TRADING CO. — GAGAN Cooler, ESTD.: 2001। Plot No. 9, Bairan Padampur - 335041 Mo.:- 9928565977 Email: gagancooler1502@gmail.com

K.S. CONSTRUCTION & EARTH MOVERS — हमारे यहां पानी फिटिंग का सामान एवं JCB व टैक्टर के पार्ट्स मिलते है। पता :- फतेहगढ़ मोड़, हनुमानगढ़ टाउन मो. 9929491927, 8094600076

NEW GARG ELECTRICALS — AUTH. SUPER STOCK: INDO, SERVAY, POLAR, HAVELLS। 17-K, Block, Sri Ganganagar (Raj.) Mo.: 9414220589, 9413719589

Chandan CHANDAN TORCH HOUSE — MFG.: RECHARGEBLE TORCH, EMERGENCY LIGHT & RECHARGEBLE FAN। Mo.: 9119102576, 8290374314। 1, CHANDAN MARKET, OPP. RAILWAY STATION NEAR OLD POST OFFICE SRI GANGANAGAR, (RAJ.) 335001

राधिका इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रोनिक्स — POLYCAB, HAVELLS, PHILIPS, ANCHOR, legrand। हमारे यहां बिजली का हर प्रकार का सामान उचित रेट एवं होलसेल दामों पर उपलब्ध है। Mo.: 9509081921। दुकान नं. 10, एकम एन्क्लेव, पदमपुर रोड़ श्री गंगानगर, राजस्थान

VIJAY ELECTRICALS — SUJATA। Mo.: 9414332871, 8290386694 9610336868, 0154-3557323। 66-C Block, Near Bank of Baroda Sri Ganganagar (Raj.) - 335001

GOVINDA ELECTRONICS — Mfg. & Wholesaler of Cooler Body, Grill, etc.। Mo.: 9413534887, 9166890713। 1193, Mini Mayapuri, Behind Adarsh Cinema Sri Gangangar (Raj.)

सैनी इलेक्ट्रिक वर्क्स — Lubi Pumps। सेल्स एण्ड सर्विस इलेक्ट्रिक मोटर एण्ड पम्प सेट। Mo.: 9929399534 YouTube: JK Yugal। शोरुम नं. 1-बी, क्षीरसागर होटल बिल्डिंग मोतीलाल अटल रोड़, जयपुर-302001 Email: sainielectricworks@gmail.com

राज हाई-टेक एग्री प्रोडक्ट कम्पनी — RajHiTech grow more with less। Zero Bill Full Chill। प्लास्टिक डिग्गी, ड्रिप सिस्टम, सोलर पम्प एवं सभी कृषि उपकरण। शॉप नं. बी-1, प्रताप कॉम्पलेक्स, न्यू धान मंडी रोड़ नियर शिव चौक, श्री गंगानगर, राजस्थान। Mo.: 9413950707, 8239207065 Email ID - rajhitech_sgnr@yahoo.com

माजीसा पीवीसी फर्नीचर & एल्युमिनियम — KAKA। KITCHEN CABINET, WARDROBE, TV CABINET, DOORS, DESIGNER CEILING, WALL PANELLING। NICE, Jinwin, BARBARIKA। Mo.: 9983045052 | Email: ganpatswami@gmail.com

पूजा इलेक्ट्रीकल्स — हमारे यहां सिंगल फेस व थ्री फेस फिटिंग का सामान, मोटर, केबल, पंखे, प्रेस, कूलर, हीटर, बिलोना मशीन, आटा चक्की एवं सभी प्रकार के इलेक्ट्रीकल्स के विक्रेता। POLYCAB, ANCHOR, Goldmedal, PHILIPS। मो.: 7023123690, 9079109197। सुपर मार्केट के सामने, बड़सम बाईपास रोड़, सांचौर 343041

मंगलम् इलेक्ट्रीकल्स — हमारे यहां सिंगल फेस लाईट फिटिंग का सामान व एसेसरीज, मोटर, तथा आटा चक्की, फ्रीज, कूलर, वाशिंग मशीन, इत्यादि वाजिब दाम से मिलता है। POLYCAB, ANCHOR, Goldmedal, ORIENT, PHILIPS। मो.: 7014455130, 8239253323। न्यू बस स्टेण्ड रोड़, सांचौर जिला - जालोर (राज.) 343041

आशीष इण्डस्ट्रीज — ISO - 9001: 2005 Certified Co.। निर्माता: आशीष ब्राण्ड ISI., H.D.P.E, पाईप, स्पीकलर सिस्टम, मिनी स्प्रींलर सिस्टम, ड्रीप सिस्टम फव्वारा, पाईप व सामान के विक्रेता। मो.: 9414425616, 8094882159। एफ 19, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया, भीनमाल 343029

माता जी इलेक्ट्रिकल्स — HAVELLS, Crompton, PHILIPS, Hi-Fi, GM, ANCHOR, KEI। हमारे यहाँ सभी ब्राण्ड की इलेक्ट्रिक फिटिंग वायर, पाईप, स्विच-सोकेट, व लाईट का सामान उपलब्ध है। जालिया रोड़, बल्ली पाटिया के पास, ब्यावर-305901 Ph: 8619446490, 7073071221

श्री गहलोत ट्रेडर्स एण्ड सीमेन्ट — जालिया रोड़, गहलोत कृषि फार्म के पास, ब्यावर-305901 Ph: 9950439398, 9950729980

मनोहर इलेक्ट्रीकल्स — सभी प्रकार का बिजली-पानी फिटिंग का सामान मिलता है। गुर्जर समाज भवन, जोधपुर रोड़, बर Ph: 9782245403, 861560673

श्री रानाबाई हार्डवेयर & बिल्डिंग मेटेरियल — हमारे यहाँ पर हर प्रकार के हार्डवेयर, पानी फिटिंग, सेनेट्री एवं बिल्डिंग मेटेरियल रिटेल भाव होलसेल भाव से दिया जाता है। जोधपुर रोड़, बर (राज.) Ph: 9001842905, 9571779281

भाग्यलक्ष्मी हार्डवेयर & इलेक्ट्रिकल — गोरधन मेवाड़ा मार्केट, झाला की चौकी, रायपुर-मारवाड़ Ph: 9414609029

कृष्णा इन्टरप्राइजेज — बिराटिया रोड़, झाला की चौकी (राज.) Ph: 9079656525

खत्री मोबाईल & इलेक्ट्रोनिक्स — हमारे यहां पर सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किये जाते है एवं मोबाईल से सम्बन्धित सम्पूर्ण सामान उचित रेट पर मिलता है। नोट-नये सभी कम्पनियों के हेडसेट उपलब्ध है। बस स्टेण्ड, श्री बालाजी जिला-नागौर राज. Ph: 9982035244, 7014185742

सांवरिया टाईल्स & सेनेट्री — हमारे यहां पर सभी प्रकार की टाईल, मार्बल एवं सैनेट्री का सामान उचित दाम पर मिलता है। सतगुरू धर्मकांटा, जोधपुर लिंक रोड़, खींवसर (नागौर) राज. Ph: 7413098339, 7014408250

कृष्णा एन्टरप्राइजेज — हमारे यहाँ नल एवं बिजली का सामान उचित दर पर मिलता है, टाईल्स, रजा पाईप फिटिंग, CPVC, UPVC, SWR पाईप के थोक एवं खुदरा विक्रेता। Mob.: 9602743020। खटोला बाजार, चौधरी सीमेंट एजेंसी के सामने, श्रीमाधोपुर

जय भवानी इलेक्ट्रिकल्स मोटर रिवाईन्डींग — सेल्स एण्ड सर्विस। नोट: हमारे यहाँ सिंगल फेस, थ्री फेस एवं सभी प्रकार की मोटर रिवाईडिंग का कार्य संतोषप्रद कार्य किया जाता है। हमारे यहाँ आर ओ की सेल्स एवं सर्विस की जाती है। Mob.: 9799376221। उदयपुर रोड़, सेमारी तह. सेमारी जिला-उदयपुर (राज.)

श्री श्याम हार्डवेयर सेनेट्री वेयर — हमारे यहाँ सभी प्रकार का हार्डवेयर एवं सेनेट्री का सामान उचित रेट पर मिलता है। बस स्टेण्ड, महावीर रेस्टोरेन्ट के सामने, खण्डेला Mob.: 9054582793, 7568515277

SHRI SHYAM ELECTRICALS — ANCHOR by Panasonic, MICROTEK, Crompton। LOHARWARA ROAD, KANWAT | Mob.: 9928074684, 9829107492

किसान मशीनरी — ऑथो. डिलर। Falcon। Mob.: 9549661948। बस स्टेण्ड, केसरियाजी रोड़, सेमारी, जिला उदयपुर (राज)

ओम गोपाल ऐजेन्सीज — Panasonic, F&D, JVC, microtale, Whirlpool, SUPER GENERAL, SANSUI। हमारे यहाँ सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक आईटम्स आसान किश्तों पर उपलब्ध है। AC, LED, फ्रीज, वाशिंग मशीन, कूलर, प्रेस, मिक्सर, पंखे, होम थियेटर। सभी प्रकार के टी.वी. एवं मोबाईल रिचार्ज उपलब्ध है। Mob.: 9414758380, 9602162256। चुंगी नाका, उदयपुर रोड़, सलुम्बर - 313027

पटेल हार्डवेयर एण्ड मशीनरी — TDK। Mob.: 9664361784, 7727063863। एस.बी.आई बैंक के सामने, उदयपुर रोड़, सेमारी, जिला-उदयपुर (राज.)

GANGA CEMENT COMPANY — Stockist :- Electronic, Asian Paints, Water Tank, Tiles, Hardware, Sanitary, PVC Pipes & Building Material। Mob.:- 7568556179। Near Govt. Hospital, Old Girls School, Shri Madhopur

MAHALAXMI HARDWARE STORES — Email: mahalaxmi_apex@yahoo.com। JSW, TATA STEEL, EVEREST, SAIL। Mob.: 9414107826, 9460886755, 9414384043। Main Office: Near Shani Dev Temple, Jodhpur Road BALOTRA। Branch Office: Nakoda Road, Chatriyon ka Morcha, BALOTRA

श्री साँई कृपा हार्डवेयर एण्ड सेनेट्री — हमारे यहां लाईट फिटिंग, पानी फिटिंग का सामान, PVC पाईप एवं सभी प्रकार के हार्डवेयर सामान उपलब्ध है। PRINCE, PARAS, HAVELLS, Finolex। किसान धर्म कांटा के पास, डेह रोड़, नागौर (राज.) Mob.: 9772853732

उरुज पाईप एण्ड सैनेट्री — CPVC, UPVC, SWR Pipe, Wash Besing, WC, EWC। पानी की टंकी व फिटिंग का सामान हर समय वाजिब दाम पर उपलब्ध है। नोट: सभी तरह की फिटिंग एण्ड सेनेट्री का कार्य किया जाता है। मो.: 9618142125, 8619715007। पता: "B" रोड़, नूरानी जाल वाली मस्जिद के सामने, नागौर

सैफी इलेक्ट्रीकल्स & मशीनरी — इलेक्ट्रिकल्स एक्सेसरीज, वायर एण्ड केबल्स, पंखे, पॉवर टूल्स, लाईटिंग सॉल्यूशन, सौलर सॉल्यूशन, कूलर, ईन्वेटर व बैट्री। BAJAJ, ANCHOR by Panasonic, Alex, KEI Wires & Cables, HAVELLS। Mob.: 7357218753, 7073952953। उदयपुर रोड़, हॉयर सैकेण्डरी स्कुल के सामने, सलूम्बर-313027

राजोतिया इलेक्ट्रीकल्स — उन्नति सबमर्सिबल पम्प एण्ड मोटर, सौरभ शक्तिमान पीवीसी पाइप, Dutron एचडीपी स्प्रिंकलर, कनाफ्लेक्स पाइप, फिनोलेक्स एण्ड जेम वायर व केबल, मेक्स, गेलको एण्ड पैरामन स्टार्टर एण्ड पैनल, आशीर्वाद कॉलम पाइप, प्रकाश एण्ड टाटा पाइप, स्पे पम्प, NBC बेयरिंग, वाईडिंग वायर, बुश एण्ड बेयरिंग, हैंड टूल्स, पावर टूल्स, चक्की, कूलर, पंखे, स्पेयर पार्ट्स, मोटर रिवाईडिंग एवं कृषि यंत्र। मो.: 9414618146, 8003884018। नया बस स्टेण्ड, छोटीसादड़ी, जिला- प्रतापगढ़ (राज.)

VARDHMAN TRADERS — Mob.:- 8890252751, 8005901778। Ganpati Chowk, Semari, Rajasthan

ब्रिक्स देशों से पीयूष गोयल की अपील: 'बाजार खोलें, बाधाएं हटाएं, भुगतान प्रणाली आसान करें', बोले–टैरिफ एक बाधा

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हालहीं में ब्रिक्स 2026 के मंच से साझेदार देशों से

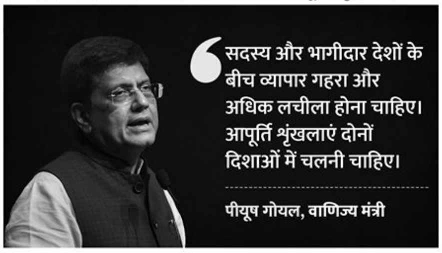

अपने बाजार एक–दूसरे के लिए खोलने का आग्रह किया। उन्होंने गैर–टैरिफ बाधाएं कम करने और अपनी भुगतान प्रणालियों को जोड़ने का भी आह्वान किया। मंत्री ने गहरे आर्थिक एकीकरण पर जोर दिया। यह समूह अधिक लचीली आपूर्ति शृंखलाएं बनाने और खंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था से निपटने का प्रयास कर रहा है।

ब्रिक्स व्यापार मंच 2026 में बोलते हुए, गोयल ने कहा कि सदस्य और भागीदार देशों के बीच व्यापार गहरा और अधिक लचीला होना चाहिए। आपूर्ति शृंखलाएं दोनों दिशाओं में चलनी चाहिए। उन्हें संरक्षणवादी बाधाओं से बाधित नहीं किया जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि व्यापार किसी भी समय वृद्धि और प्रत्येक सदस्य देश के लोगों की भलाई में बाधा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार को आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण चालक बनना चाहिए।

ब्रिक्स देशों को बाजार क्यों खोलने चाहिए? गोयल ने ब्रिक्स देशों से एक–दूसरे के उत्पादों के लिए बाजार खोलने का आग्रह किया। इसमें कच्चे माल और महत्वपूर्ण खनिज भी शामिल हैं। उन्होंने नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर जोर दिया। साथ ही सीमा शुल्क निकासी में तेजी लाने की बात कही। मंत्री ने कहा कि गैर–टैरिफ उपाय व्यापार में एक बड़ी बाधा हैं। ये टैरिफ से काफी अधिक निर्यात लागत लगा सकते हैं। उन्होंने पूरे समूह में आसान बाजार पहुंच और कम नियामक बाधाओं का आह्वान किया। गोयल का मानना है कि खुले बाजार से सभी सदस्य देशों को लाभ होगा।

व्यापार बाधाएं कैसे कम होंगी? मंत्री गोयल ने स्पष्ट किया कि व्यापार को बढ़ावा देने के लिए गैर–टैरिफ बाधाओं को हटाना महत्वपूर्ण है। इन उपायों से निर्यात पर लगने वाली लागत बढ़ जाती है। यह लागत अक्सर टैरिफ से भी अधिक होती है। उन्होंने नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने की बात कही। सीमा शुल्क निकासी में तेजी लाना भी आवश्यक बताया। इन कदमों से BRICS देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। गोयल ने कहा कि प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से व्यापार में लगने वाला समय और लागत दोनों कम होंगे। यह व्यापार प्रवाह को सुगम बनाएगा।

भारत की BRICS अध्यक्षता का क्या लक्ष्य है? भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता का उपयोग सदस्य और भागीदार देशों के बीच अधिक व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। गोयल ने बताया कि ब्रिक्स देश वैश्विक व्यापार का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं। वे आधी मानवता का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40 फीसदी हिस्सा भी रखते हैं। भारत का लक्ष्य इन आंकड़ों को भुनाकर समूह के भीतर आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। भारत चाहता है कि BRICS देश एक–दूसरे के लिए महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार बनें। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उनकी भूमिका और मजबूत होगी।

क्या मशीन बनी 'इंसान'?: एनवीडिया चीफ का दावा- GPT–6 एस्ट्रा के आते ही दुनिया में आ गया एजीआई, जानें क्या मलतब

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में एक बड़ा ऐतिहासिक पल आ गया है। एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दावा किया है कि दुनिया में 'एजीआई' (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) का आगमन हो चुका है। हुआंग का यह बड़ा दावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलपर ओपनएआई द्वारा अपने सबसे नए एआई मॉडल 'जीपीटी–6 एस्ट्रा' के लॉन्च के तुरंत बाद आया है। हुआंग ने ओपनएआई की टीम को बधाई देते हुए इसे तकनीकी इतिहास का मील का पत्थर बताया है।

क्या है यह एजीआई और क्यों जेन्सन हुआंग ने किया इतना बड़ा दावा?

एजीआई वास्तव में एआई का वह उन्नत रूप है जो इंसानी दिमाग की तरह किसी भी बौद्धिक काम को समझने, सीखने और नए माहौल के अनुसार खुद को ढालने में सक्षम है। आज के एआई टूल्स जहां केवल कुछ खास काम ही कर पाते हैं, वहीं एजीआई बिना किसी विशेष ट्रेनिंग के नए क्षेत्रों में इंसानों की तरह सोच और समझ सकता है। जेन्सन हुआंग ने बताया कि जीपीटी–6 एस्ट्रा को एनवीडिया के लगभग 1 लाख से अधिक 'ग्रेस ब्लैकवेल एनवीलिंक 72' जीपीयू पर ट्रेन किया गया है। उन्होंने खुलासा किया कि जल्द ही 4 लाख और जीपीयू ऑनलाइन आने वाले हैं, जो इस क्रांति को और रफ्तार देंगे। कितना समझदार है नया GPT–6 एस्ट्रा और क्या हैं इसके बेंचमार्क?

ओपनएआई के अनुसार, जीपीटी–6 एस्ट्रा कंपनी का अब तक का सबसे बुद्धिमान और सुरक्षित मॉडल है। तकनीकी परीक्षाओं (बेंचमार्क) में इस मॉडल ने हैरान करने वाले नतीजे दिए हैं। इसने जटिल गणित की परीक्षा 'फ्रंटियरमैथ टियर 4' में 98 प्रतिशत और 'एआरसी–एजीआई – 3' टेस्ट में 99.9 प्रतिशत का असाधारण स्कोर हासिल किया है। इसके अलावा साइबर सिक्योरिटी से जुड़े 'एक्सप्लॉइटबेंच' टेस्ट में इसे शत–प्रतिशत (100%) सफलता मिली है। इस मॉडल ने व्यावसायिक लॉन्च से पहले ही गणित के कई अनसुलझे सवालों को हल करने में मदद की है।

रोजमर्रा के काम और बिजनेस में यह क्या बदलाव लाएगा?

यह मॉडल कंप्यूटर ब्राउजिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कोडिंग और व्यावसायिक कामों को खुद संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। यह इंसानी मदद के बिना स्वायत्त रूप से डेटा एंट्री, वेबसाइट क्वालिटी टेस्टिंग और सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन जैसे काम कर सकता है। 'ओएसवर्ल्ड 2.0' परीक्षण में यह सामने आया है कि यह पिछले मॉडल जीपीटी–5.6 सोल की तुलना में 47 प्रतिशत कम समय में काम पूरा कर लेता है। यह प्रति टास्क करीब 40 मिनट में 72.6 प्रतिशत की सफलता दर के साथ स्वायत्त प्रशासनिक कार्य पूरा कर सकता है।

सुरक्षा और गोपनीयता के मामले में यह कितना सुरक्षित है?

सुरक्षा के मोर्चे पर भी यह काफी उन्नत है। पुराना मॉडल जीपीटी–5.6 सोल बिना उत्पादन सुरक्षा कवच के 48% मामलों में तय सीमा के बाहर चला जाता था, लेकिन जीपीटी–6 एस्ट्रा कड़े मानकों के कारण 0% मामलों में ही ऐसा करता है। डेटा सुरक्षा के लिए पात्र ग्राहकों को 'जीरो डेटा रिटेंशन' की सुविधा मिलेगी और प्राइवेसी के लिए 'प्राइवेट सेफ्टी प्रोसेसिंग' का परीक्षण किया जा रहा है। आम ग्राहकों और डेवलपर्स को यह कब और किस कीमत पर मिलेगा?

ओपनएआई ने इस मॉडल को तुरंत लागू कर दिया है। यह चौटजीपीटी प्लस, प्रो, बिजनेस और एंटरप्राइज ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही इसका इंटीग्रेशन माइक्रोसॉफ्ट एज्योर और एडब्ल्यूएस बेडरॉक पर भी किया गया है। डेवलपर्स के लिए स्टैंडर्ड एपीआई की कीमत 10 डॉलर प्रति मिलियन इनपुट टोकन और 50 डॉलर प्रति मिलियन आउटपुट टोकन तय की गई है। तेजी से काम करने के लिए इसका एक हाई–स्पीड विकल्प भी उपलब्ध है, जिसकी गति दोगुनी है लेकिन उसकी कीमत भी सामान्य से दोगुनी होगी।

महिला ने छोड़ी SBI असिस्टेंट मैनेजर की नौकरी, कहा- लगातार बढ़ रहा था तनाव, अब शुरू किया स्टार्टअप

नई दिल्ली : काफी लोगों का मानना होता है कि सरकारी बैंक की नौकरी काफी आरामदायक होती है। लेकिन किस नौकरी में कितना आराम है, यह वहां काम करने वाला ही जानता है। एक युवती की ऐसी ही कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस महिला ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में Assistant Manager की नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू किया है।

महिला ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करके बताया है कि बैंक की नौकरी सुरक्षित और अच्छी सैलरी वाली थी, लेकिन लगातार तनाव और लंबे समय तक बैठकर काम करने की वजह से वह मानसिक और शारीरिक रूप से थकने लगी थीं। इसके बाद उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला लिया। अब इस महिला ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में अपना योग स्टूडियो शुरू किया है।

क्यों छोड़ी नौकरी? महिला ने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि SBI की नौकरी में उन्हें एक स्थिर करियर और अच्छी सुविधाएं मिल रही थीं। लेकिन समय के साथ लंबे समय तक बैठकर काम करना, काम का दबाव और मानसिक थकान उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गए। उन्हें महसूस हुआ कि वह काम तो कर रही हैं, लेकिन अपने शरीर और सेहत पर ध्यान नहीं दे पा रही हैं। लगातार तनाव ने बदली जिंदगी महिला ने बताया कि रोज सुबह काम के लिए निकलना, कई घंटे ऑफिस में

बैठना, तनाव के बीच काम करना और फिर थककर घर लौटना उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बन गई थी।

धीरे–धीरे शरीर में अकड़न, थकान और अपने शरीर से जुड़ाव कम महसूस होना सामान्य लगने लगा। इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया। उन्होंने SBI की नौकरी छोड़ दी और योग के क्षेत्र में अपना करियर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया।

अब चला रहीं अपना योग स्टूडिया – आज वह मेरठ में Tulaa Wellness नाम से अपना योग स्टूडियो चला रही हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उनकी कहानी सिर्फ नौकरी छोड़कर योग टीचर बनने की कहानी नहीं है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के लिए नौकरी छोड़ना संभव नहीं होता और ऐसा करना जरूरी भी नहीं है। नौकरी करते हुए भी लोग अपने शरीर और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं – उनका कहना है कि अगर कोई व्यक्ति रोज कई घंटे बैठकर काम करता है और लगातार थकान या तनाव महसूस करता है, तो वह अपनी दिनचर्या में योग, स्ट्रेचिंग और शारीरिक गतिविधियों को शामिल कर सकता है।

उन्होंने लोगों से कहा कि बेहतर महसूस करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी बदलने की जरूरत नहीं है। रोजमर्रा की व्यस्त जिंदगी के बीच भी शरीर को मजबूत, लचीला और स्वस्थ रखने के लिए छोटे–छोटे कदम उठाए जा सकते हैं।

उन्होंने अपनी नई यात्रा के बारे में कहा कि वह योग और वेलनेस से जुड़ी अपनी सीख लोगों के साथ साझा करना चाहती हैं, ताकि व्यस्त जीवनशैली के बीच लोग अपने शरीर और मानसिक शांति पर भी ध्यान दे सकें।

₹2,000 तक के यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा: सरकार

केंद्र सरकार ने हालहीं में स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से 'इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता।

सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है।

पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति–से–व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। सरकार ने कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, यदि भविष्य में एमडीआर लागू किया भी जाता है, तो वह केवल कुछ विशेष श्रेणी के व्यापारी लेनदेन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि वाले भुगतानों पर और बेहद मामूली दर पर ही लागू होगा। शेष पृष्ठ सं. 11 पर....

AI, स्टार्टअप और सेमीकंडक्टर पर ब्रिक्स का फोकस, भारत के लिए बड़ा मौका

नई दिल्ली घोषणा में ब्रिक्स देशों के नेताओं ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) गवर्नेंस पर एक संयुक्त बयान के क्रियान्वयन का संकल्प लिया, एक उन्होंने एक नए स्टार्टअप इनक्यूबेटर नेटवर्क का स्वागत किया और एक इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा।

इस घोषणापत्र में फरवरी 2026 में भारत द्वारा एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी का प्रमुखता से जिक्र किया गया है, ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव किया गया है। साथ ही, भारत के गिफ्ट सिटी फाइनैंशियल हब के लिए प्रस्तावित रिस्क लैब का स्वागत किया गया है। ये पहल ब्रिक्स के टेक्नॉलजी एजेंडा को आकार देने में भारत की अहम भूमिका को बताती हैं, जो ऐसे समय हो रही है जब ब्रिक्स खुद को पश्चिमी देशों के दबदबे वाले एआई और वेंचर इकोसिस्टम के मुकाबले इनोवेशन के क्षेत्र में मजबूत विकल्प के तौर पर खुद को तैयार कर रहा है।

ब्रिक्स नेताओं ने भारत की अध्यक्षता में हुए 18वें सालाना शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल एआई, स्टार्टअप और फाइनैंशियल इनोवेशन के लिए पूरे समूह के स्तर पर साझा नजरिया तय करने के लिए किया। इससे यह भी पता चला कि भारत खुद को इस समूह की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं के केंद्र के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में कहा गया है कि यह समूह मानता है कि एआई सभी के लिए आर्थिक और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने का बहुत बड़ा अवसर प्रदान करता है। सदस्य देश एआई के वैश्विक गवर्नेंस पर ब्रिक्स नेताओं के बयान को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेताओं ने विशेष रूप से भारत को फरवरी 2026 में हुई एआई इम्पैक्ट समिट के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इसी समय चीन के शांघाई में वर्ल्ड एआई कॉन्फ्रेंस हुई थी।

उद्योग के दिग्गजों का कहना है कि ब्रिक्स का एआई तक ज्यादा लोगों की पहुंच, सुरक्षा और जिम्मेदार गवर्नेंस पर जोर देना सही समय पर उठाया गया कदम है। उनका कहना है कि एआई अब सिर्फ एक अलग तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह अलग–अलग सेक्टर में काम आने वाली एक अहम क्षमता बनती जा रही है। वे एआई में कंपनियों की उत्पादकता बढ़ाने और वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और एजुकेशन जैसे सेक्टर में बड़े बदलाव लाने की बहुत संभावना देखते हैं।

गज कैपिटल के प्रबंध निदेशक और सीईओ गोपाल जैन ने कहा, भारत की स्थिति बहुत अच्छी है क्योंकि यहां बेहतरीन टेक्नॉलजी टैलेंट, डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और बड़ा घरेलू बाजार है, जहां बड़ी आबादी के स्तर पर समाधानों को परखा जा सकता है।

जैन सेबी की ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट पॉलिसी एडवाइजरी कमेटी और इंडियन वेंचर ऐंड ऑल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन की एग्जिक्यूटिव कमेटी के सदस्य भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह भारत ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के मामले में अपनी क्षमता दिखाई है, उसी तरह उसके पास ऐसे एआई प्लेटफॉर्म और ऐप्लिकेशन बनाने का मौका है, जो न सिर्फ भारत के लिए बल्कि सिकाससील देशों के लिए भी काम के हों।

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अध्यक्ष अशोक चांडक ने कहा कि ब्रिक्स ने मजबूत टेक्नॉलजी आपूर्ति श्रृंखला, सेमीकंडक्टर, जरूरी मिनरल और नई टेक्नॉलजी के महत्त्व को और मजबूत किया है। समिट के ठीक बाद होने वाली सेमिकॉन इंडिया 2026 इवेंट इस रणनीतिक सोच को उद्योग की साझेदारी और निवेश में बदलने का मंच होगी।

चांडक ने कहा, भारत के लिए यह खुद को ग्लोबल साउथ के लिए एक भरोसेमंद टेक्नॉलजी सेतु और डिजायन इंजन के तौर पर स्थापित करने का अनूठा मौका है। उन्होंने कहा, अपनी सेमीकंडक्टर डिजायन खूबियों, इंजीनियरिंग प्रतिभा और बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के साथ भारत चिप डिजायन, मैन्युफैक्चरिंग, आधुनिक पैकेजिंग, मानकों और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में ब्रिक्स सहयोग को आगे बढ़ा सकता है।

पृष्ठ सं. 10 का शेष ..... सरकार ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में भी शुल्क डेबिट या क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर की तुलना में काफी कम होगा।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब हाल ही में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में किए गए संशोधनों के बाद यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की आशंकाओं को लेकर चर्चा चल रही थी। सरकार ने साफ किया है कि 2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान और रुपे डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Mobile
9414061717
9314061717

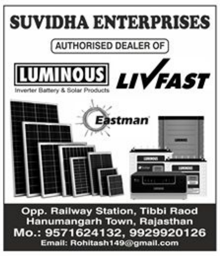

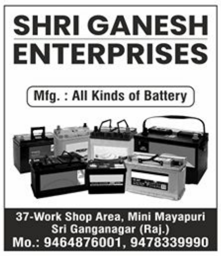

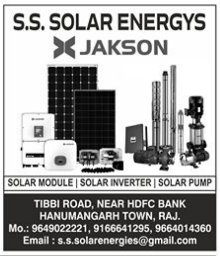

भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए राज्यों और शहरों को खुद जुटाना होगा फंडः भार्गव दासगुप्ता

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के उपाध्यक्ष (मार्केट सॉल्यूशंस) भार्गव दासगुप्ता ने कृति अंबे के साथ एक ईमेल साक्षात्कार में कहा है कि भारत के बुनियादी ढांचे के विकास के अगले चरण के लिए राज्य और शहर स्तर पर धन जुटाने की दिशा में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा

कि 2036 तक भारत के शहरी बुनियादी ढांचे के लिए 840 अरब डॉलर की जरूरत होगी।

दीर्घावधि निजी निवेश आकर्षित करने की क्षमता में सुधार के लिए किन सुधारों की जरूरत है? मेरी प्राथमिकता उप–राष्ट्रीय वित्तपोषण के अवसरों को सक्षम करने की होगी। 2036 तक भारत के शहरी बुनियादी ढांचे के लिए करीब 840 अरब डॉलर या सालाना लगभग 60 अरब डॉलर वार्षिक की जरूरत होगी। इस समय निवेश इन स्तरों से काफी नीचे है। अर्बन चौलेंज फंड बाजार केंद्रित शहरी वित्तपोषण की ओर एक बदलाव को दर्शाता है।

इसके लिए बेहतर उप–राष्ट्रीय ऋण योग्यता, राजकोषीय अनुशासन और शासन में सुधारों के साथ–साथ परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण प्लेटफार्मों और नवोन्मेषी तरीकों से बाजार में गहरी पहुंच की जरूरत है। अभी राष्ट्रीय स्तर पर धान जुटाने की कवायद को नीचे की ओर किया जा सकता है। एडीबी शहरों और राज्यों के साथ साझेदारी करके निवेश योग्य परियोजनाओं की सूची तैयार करने और पूंजी निवेश योजना को मजबूत करने का समर्थन कर रहा है।

क्या आपको लगता है कि सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद भारत में निजी पूंजी निवेश सुस्त बना हुआ है? इसमें एडीबी क्या भूमिका निभा सकता है?

मैं निजी निवेश को पूरी तरह सुस्त नहीं कहूंगा। 2026 की पहली तिमाही में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आवक रिकॉर्ड 30.70 अरब डॉलर तक पहुंच गई। पूंजी की कमी चुनौती नहीं है, बल्कि कर्ज पाने योग्य परियोजनाओं की लंबी सूची सुनिश्चित करना चुनौती है। जिसमें कर्ज देने पर संभावित जोखिम और राजस्व संबंधी विश्वसनीय धाराएं हों। एडीबी परियोजना को चिह्नित करने और उसके ढांचे को तैयार करने से लेकर उसके लिए धन मुहैया कराने और उन्हें लागू करने तक पूरे निवेश चक्र पर काम करता है।

दीर्घावधि निवेशकों के लिए सार्वजनिक–निजी भागीदारी के पारिस्थितिकी तंत्र को आकर्षक बनाने के लिए किन सुधारों की जरूरत है?

भारत ने पहले ही एक परिपक्व पीपीपी बाजार बनाया है। 3 साल की पीपीपी पाइपलाइन में 2028 तक लगभग 190 अरब डॉलर मूल्य की 852 परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया गया है। भारत को एक स्थिर और अनुमानित नीति का वातावरण, कुशल विवाद समाधान व्यवस्था, बेहतर पाइपलाइन दृश्यता और लेनदेन की निरंतरता की आवश्यकता है। शहरी स्थानीय निकायों और कार्यान्वयन एजेंसियों को भी मजबूत वित्तीय क्षमता की आवश्यकता है।

बड़े पैमाने पर दीर्घावधि पूंजी आकर्षित करने में संस्थागत निवेशकों से क्या मदद मिलेगी?

भारत ने प्रदर्शित किया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और इंफ्रास्ट्रक्चर डेट फंड संस्थागत पूंजी को आकर्षित कर सकते हैं। नैशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट के साथ एडीबी की पार्शियल क्रेडिट एन्हांसमेंट फैसिलिटी बुनियादी ढांचा बॉन्ड की रेटिंग में सुधार कर सकती है, निवेशक के आधार का विस्तार कर सकती है और वित्तपोषण लागत को कम कर सकती है।

स्वच्छ ऊर्जा के लिए धन जुटाने में क्या बाधा है?

स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के लिए पूंजी की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसके लिए बाधाओं को दूर करने के लिए एक क्षेत्र के हिसाब से दृष्टिकोण बनाने की आवश्यकता है। सौर पार्क और सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) की नीलामियों से पता चलता है कि अच्छी तरह से जोखिम को लेकर तैयार किए गए बेहतरीन ढांचे से निजी निवेश आकर्षित हो सकता है।

भारत में किन साधनों से धन जुटाने की क्षमता ज्यादा है?

धन जुटाने के जिन तरीकों में जोखिमों को स्थानांतरित किया जाता है, या साझा किया जाता है, उनसे काफी पूंजी जुटाई जा सकती है।

अमेरिका से व्यापार समझौताः क्या भारत को टैरिफ में मिलेगी तरजीही दर? वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने किया यह दावा

भारत और अमेरिका के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समझौते की घोषणा तभी की जाएगी, जब अमेरिका हमारे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले भारत को तरजीही दरें (Preferential Rates) प्रदान करेगा। नई दिल्ली में आयोजित 'मुक्त व्यापार

समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में बोलते हुए गोयल ने वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए भारत के विजन को साझा किया।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर अंतिम मुहर कब लगेगी? वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, जैसे ही अमेरिका हमारे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत को तरजीही दरों की पेशकश करेगा, इस समझौते को अंतिम रूप देकर इसके विवरणों की घोषणा कर दी जाएगी। भारत और अमेरिका ने इस साल फरवरी में ही सौदे के पहले चरण की रूपरेखा तय कर ली थी, लेकिन बाद में अमेरिकी टैरिफ परिदृश्य में आए बदलावों के कारण दोनों पक्षों को दोबारा बातचीत की मेज पर लौटना पड़ा। अमेरिका ने इस साल 24 जुलाई से भारत सहित कई देशों पर 10% का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। अब इस मुद्दे को सुलझाने के लिए गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका के मिल्वौकी शहर जाएंगे, जहां वे 30 सितंबर से शुरू होने वाली 2–दिवसीय जी–20 व्यापार मंत्री स्तरीय बैठक में हिस्सा लेंगे और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

अमेजन का भारत में बड़ा दांवः 48 अरब डॉलर के निवेश का एलान, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद सीईओ का खुलासा

दुनिया की दिग्गज ई–कॉमर्स और आईटी कंपनी अमेजन ने हालहीं में भारत में 2026 से 2030 के बीच 48 अरब डॉलर की पूंजी निवेश करने की बात कही है। अमेजन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद इसका एलान किया।

जेसी ने कहा, हमने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले साल के अंत में हमने 2026 से 2030 के बीच भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया और अब हम इस राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर रहे हैं।' अमेजन का यह निवेश भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

अमेजन के इस एलान के बाद कुल मिलाकर, 2010 से 2030 तक भारत में अमेजन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह निवेश ई–कॉमर्स नेटवर्क, त्वरित वाणिज्य संचालन और प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर में संतुलित रहेगा।

अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के दृष्टिकोण को जेसी ने उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लगभग हर पहलू में महत्वपूर्ण देश बन गया है। प्रधानमंत्री के पास देश को हर आयाम पर बेहतर बनाने के कई विचार हैं।

क्या है निवेश का मुख्य उद्देश्य?

बढ़ी हुई वित्तीय प्रतिबद्धता का मुख्य कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग है। कंपनी ने अपनी संसाधन आवंटन योजना को बढ़ाया है। इस पूंजी का एक विशिष्ट हिस्सा उन्नत डिजिटल प्रणालियों को लक्षित करता है। 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास में तेजी लाएगा। इससे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में कुल नियोजित निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। यह पूंजी मुंबई और हैदराबाद में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा केंद्र क्षमताओं का विस्तार करेगी।

किन क्षेत्रों पर रहेगा विशेष ध्यान? जेसी ने बताया कि उनके निवेश का एक बड़ा हिस्सा बाजार कारोबार में है। हालांकि, आज घोषित 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है। भारत दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बन रहा है। यहां इतनी अधिक मांग है कि कंपनी क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दोनों क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगी। यह निवेश भारत के तकनीकी विकास को गति देगा।

रोजगार और निर्यात पर क्या होगा असर?

यह निवेश दीर्घकालिक रोजगार और आर्थिक मापदंडों के बारे में भी बताता है। कंपनी का लक्ष्य 2024 में समर्थित 28 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों को 2030 तक लगभग 38 लाख तक बढ़ाना है। 2030 तक 80 अरब डॉलर के संचयी ई–कॉमर्स निर्यात को सक्षम करने का लक्ष्य भी है। इसके अतिरिक्त, 1.5 करोड़ छोटे कारोबारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ मिलेंगे। 40 लाख सरकारी स्कूली छात्रों को एआई की शिक्षा प्रदान की जाएगी।

पृष्ठ सं. 09 का शेष ..... बैक्टीरिया को प्राकृतिक रूप से खत्म किया। ड्रिप इरिगेशन सिस्टम स्थापित किया। पौधे की छाया के आधार पर प्राकृतिक खाद

देने की जगह तय की। पैदावार बढ़ाने के लिए श्फ्रूट थिनिंगश तकनीक अपनाई। छंटाई की इस तकनीक के तहत प्रति पौधा केवल 100 से 125 क्वालिटी फल ही छोड़े जाते हैं। आज वह पूरी तरह से गाय के गोबर और मूत्र से बनी श्जीवामृतश और श्घन जीवामृतश पर आधारित प्राकृतिक खेती करते हैं।

पौधों के बड़े होने पर प्रति एकड़ लगभग 12 टन अनार का उत्पादन होने लगा। 12 एकड़ के अपने फार्म से वह सालाना करीब 144 टन अनार पैदा करते हैं। जहां पारंपरिक खेती से प्रति एकड़ महज 5,000 से 10,000 रुपये मिलते थे। वहीं, अनार की खेती से अब प्रति एकड़ 6 लाख से 8 लाख रुपये तक का मुनाफा होता है। 60 से 70 रुपये प्रति किलो के औसत बाजार मूल्य पर उनके खेत का सालाना टर्नओवर करीब 96 लाख से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। आज गेनाभाई को अपना माल बेचने बाजार नहीं जाना पड़ता। इसके बजाय व्यापारी खुद उनके खेत पर आकर पूरे बाग का सौदा करते हैं। उनके अनार दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों के अलावा दुबई, मलेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में निर्यात होते हैं।

गेनाभाई की इस सफलता ने पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था बदल दी। उन्होंने अपने खेत पर श्अनारशालाश शुरू किया। वहां वह किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को मुफ्त प्रशिक्षण देते हैं। अब तक 80,000 से अधिक लोग उनके फार्म का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने देशभर के 3 से 4 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया है। उनके प्रयासों से बनासकांठा, कच्छ और राजस्थान के 12,000 से 14,000 हेक्टेयर क्षेत्र में अनार की खेती का विस्तार हुआ। स्थानीय किसानों की आय बढ़ने से पक्के मकान बने। ट्रैक्टर आए। बच्चों को अच्छी शिक्षा मिली। कृषि में इस ऐतिहासिक योगदान के लिए 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

एआई के युग में हर कृत्य मानव-मूल्यों से जुड़ा हो

समाजसेवा की दुनिया में एक शब्द चलता है– जन–जागरण। यह काम सबसे पहले श्रीराम ने किया। उनका उद्देश्य केवल रावण को समाप्त करना नहीं था, वे लोगों को जगाना चाहते थे। और लोगों को जगाने का अर्थ है कि आप जान जाएं जो भी काम आप कर रहे हैं, वह सही है या गलत। निर्भय–निष्काम होकर करेंगे तो यह जन–जागरण मानव–मूल्यों से जुड़ जाता है। इस समय एआई जन–जागरण की भूमिका निभा रहा है, पर मानव मूल्यों से नहीं जुड़ पा रहा। धीरे–धीरे स्वयं का आकलन करने की वृत्ति ही खत्म हो जाएगी। लोग मानकर चलेंगे जो हमने किया, वह सही है। ज्यादा से ज्यादा पुष्टि करा लेंगे एआई से। जब कोई व्यक्ति चोरी करता है तो हम उसकी निंदा करते हैं। पर जो चीज उसने गलत करके पाई, वही अब हम ईमानदारी से ले रहे होते हैं। लेकिन इनके बीच में एक घटना है– आसक्ति। चोर की बेईमानी में आसक्ति थी तो वह गलत कर गया। हमारी ईमानदारी में भी आसक्ति हो तो हमारी ईमानदारी भी बेईमानी में बदल जाएगी।

2047 तक विकसित भारत के लिए हर राज्य, गांव और नागरिक का विकसित होना जरूरी: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने हालहीं में शिलांग में आयोजित सार्वजनिक स्वागत समारोह में कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए देश के प्रत्येक राज्य, गांव और नागरिक का विकसित होना जरूरी है। उन्होंने समावेशी विकास पर जोर देते हुए कहा कि प्रगति के साथ मेघालय की समृद्ध पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने 1,010.95 करोड़ रुपए की पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 31.05 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नोंगस्टोइन स्थित प्रसूति एवं बाल अस्पताल का उद्घाटन किया।

मेघालय की जनता के साथ खड़े रहने का भरोसा – उपराष्ट्रपति ने सोसो थाम सभागार में मेघालय सरकार और जनता की ओर से आयोजित सार्वजनिक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने हार्दिक स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा कि राज्य की विकास यात्रा में वह हमेशा मेघालय की जनता के साथ खड़े रहेंगे।

पी.ए. संगमा को महान नेता और सांसद बताया – सीपी राधाकृष्णन ने मेघालय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और मातृसत्तात्मक परंपरा जैसी विशिष्ट सामाजिक संस्थाओं की सराहना की। उन्होंने अपने पूर्व लोकसभा सहयोगी स्वर्गीय पी. ए. संगमा को याद करते हुए उन्हें महान नेता और उत्कृष्ट वक्ता बताया। उन्होंने कहा कि संगमा ने संसदीय लोकतंत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सच्ची धर्मनिरपेक्षता में विचारों का सम्मान जरूरी – उपराष्ट्रपति ने कहा कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता का अर्थ एक–दूसरे के विचारों और मान्यताओं का सम्मान करना है। उन्होंने लोगों से आपसी सम्मान और सद्भाव के साथ मिलकर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकास समावेशी होना चाहिए और समाज का कोई भी वर्ग पीछे नहीं छूटना चाहिए।

पूर्वोत्तर में 46 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनीं – कनेक्टिविटी के महत्व पर जोर देते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि दूरदराज के गांवों को कस्बों और शहरों से जोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में पीएमजीएसवाई के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में 47,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर 46,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है।

जल जीवन मिशन 2.0 की पहल की सराहना – उपराष्ट्रपति ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत मेघालय के सुधार–संबंधी समझौता ज्ञापन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल राज्य में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

1,010.95 करोड़ रुपए की पांच परियोजनाओं की आधारशिला – सीपी राधाकृष्णन ने कुल 1,010.95 करोड़ रुपए की पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें शहरी चुनौती कोष के तहत नई शिलांग जल आपूर्ति योजना चरण–2, भाग–ए के लिए 850.58 करोड़ रुपए की परियोजना शामिल है। इसके अलावा NESIDS के तहत दो सड़क संपर्क परियोजनाएं, शिलांग सिविल अस्पताल में 30 बिस्तरों वाला आयुष केंद्र और PM&DevINE के तहत मावखानू में 132/33 केवी सबस्टेशन शामिल हैं।

नोंगस्टोइन में प्रसूति एवं बाल अस्पताल का उद्घाटन – उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 31.05 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नोंगस्टोइन स्थित प्रसूति एवं बाल अस्पताल का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लगभग 1,042 करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं से मेघालय में जल आपूर्ति, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवा और बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।

पर्यटन और बुनियादी ढांचे की पहलों की सराहना – सीपी राधाकृष्णन ने राज्य सरकार की बुनियादी ढांचे और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी पहलों की सराहना की। इनमें होमस्टे कार्यक्रम, सीएम–एलिवेट और ग्रीन मेघालय जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा, उनके मंत्रिपरिषद और मेघालय की जनता को राज्य की प्रगति के लिए बधाई दी।

विकास के साथ पर्यावरण और संस्कृति का संरक्षण जरूरी – 2047 तक विकसित भारत के विजन का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकास की प्रक्रिया समावेशी होनी चाहिए और समाज के किसी भी वर्ग को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने साथ ही मेघालय के पर्यावरण, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता मेघालय – उन्होंने मेघालय के जीवित जड़ों वाले पुलों और सोहरा तथा मावसिनराम के प्राकृतिक परिदृश्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीने के बहुमूल्य सबक देता है। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना भविष्य के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग रहे मौजूद – कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा, उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन टिनसॉन्ग और स्नियावभलंग धर, मंत्री सनबोर शुल्लई, मुख्य सचिव डॉ. शकील पी. अहमद समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

इलेक्ट्रिक कार नहीं, स्कूटर और ऑटो चला रहे भारत की EV मार्केट; निवेश का बड़ा मौका कहां ?

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन की बात होते ही सबसे पहले इलेक्ट्रिक कारों का ख्याल आता है। टाटा मोटर्स, महिंद्रा, मारुति सुजुकी और ह्युंदै जैसी बड़ी कंपनियां इस बाजार में नए मॉडल उतार रही हैं। लेकिन भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की असली कहानी फिलहाल कारों से नहीं, बल्कि स्कूटर और ऑटो से लिखी जा रही है।

वित्त वर्ष 2025–26 में देश में करीब 24.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो एक साल पहले के मुकाबले करीब 25 फीसदी ज्यादा हैं। इनमें अकेले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री करीब 14 लाख रही। यानी भारत में बिकने वाले हर 100 इलेक्ट्रिक वाहनों में करीब 57 दोपहिया वाहन थे। वहीं यात्री इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी भी करीब 29 फीसदी रही।

इसका मतलब साफ है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की रफ्तार अभी महंगी कारों के बजाय कम कीमत और रोज ज्यादा चलने वाले वाहनों से बढ़ रही है।

स्कूटर और बाइक क्यों हैं सबसे आगे? इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पक्ष में सबसे बड़ा कारण रोज का खर्च है। इन्हें चलाने में पेट्रोल का खर्च नहीं होता और आम तौर पर रखरखाव का खर्च भी कम रहता है। शहरों में रोज दफ्तर आने–जाने वाले लोगों के अलावा डिलीवरी करने वालों के लिए भी यह बचत मायने रखती है।

'EV Market in India: 2026–2030' रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025–26 में करीब 14 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया बिके और इनकी बिक्री सालाना आधार पर करीब 22 फीसदी बढ़ी। इस बाजार में टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो, एथर एनर्जी और ओला इलेक्ट्रिक जैसे बड़े नाम मौजूद हैं। लेकिन अब मुकाबला केवल इस बात पर नहीं होगा कि कौन सा स्कूटर एक बार चार्ज करने पर ज्यादा दूरी तय करता है। आगे ग्राहक गाड़ी की मजबूती, बैटरी की वारंटी, सर्विस नेटवर्क, लोन की सुविधा और गाड़ी रखने के कुल खर्च को भी देखेंगे।

इलेक्ट्रिक ऑटो में क्यों मजबूत है कमाई का गणित? – इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का मामला और भी दिलचस्प है। ऑटो या सामान ढोने वाला तिपहिया वाहन आम निजी वाहन के मुकाबले रोज ज्यादा दूरी तय करता है। ऐसे में पेट्रोल या दूसरे ईंधन पर होने वाली बचत सीधे चालक या वाहन मालिक की कमाई बढ़ा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक कम ऊर्जा खर्च, कम रखरखाव और रोज ज्यादा इस्तेमाल के कारण इलेक्ट्रिक तिपहिया आर्थिक रूप से काफी फायदेमंद हो सकते हैं। इनका इस्तेमाल यात्री ढोने के अलावा ऑनलाइन सामान की डिलीवरी, शहरों के भीतर माल ढुलाई और छोटे कारोबार में बढ़ सकता है।

यही वजह है कि भारत की इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति का बड़ा हिस्सा ऐसे वाहनों से आ रहा है जिन्हें रोज कई घंटे सड़क पर रहना होता है।

फिर इलेक्ट्रिक कारें पीछे क्यों? – इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री बढ़ रही है, लेकिन स्कूटर और तिपहिया के मुकाबले रफ्तार धीमी है। इसकी कई वजह हैं। इलेक्ट्रिक कार की शुरुआती कीमत ज्यादा होना, पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन नहीं मिलना, लंबी यात्रा में बैटरी खत्म होने की चिंता, पुरानी इलेक्ट्रिक कार की रीसेल वैल्यू और भविष्य में बैटरी बदलने का खर्च अभी ग्राहकों के लिए बड़े सवाल हैं। हालांकि लंबी अवधि में तस्वीर बदल सकती है। रिपोर्ट में दिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमान के मुताबिक 2030 तक भारत में बिकने वाली नई कारों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी तक पहुंच सकती है। 2024 में यह करीब 2 फीसदी थी।

निवेश का असली मौका सिर्फ वाहन कंपनियों में नहीं – निवेशकों के लिए इस बदलाव का सबसे अहम पहलू यही है। इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का फायदा केवल गाड़ियां बनाने वाली कंपनियों तक सीमित नहीं रहने वाला। रिपोर्ट ने 2026 से 2030 के बीच इलेक्ट्रिक दोपहिया, इलेक्ट्रिक तिपहिया, चार्जिंग और बैटरी को बहुत बड़े कारोबारी मौके वाली श्रेणी में रखा है। बैटरी रिसाइक्लिंग, इलेक्ट्रिक बस, इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े सॉफ्टवेयर, फाइनेंस और गाड़ियों के बेड़े के मैनेजमेंट में भी बड़े मौके बनने का अनुमान है।

यानी आने वाले वर्षों में निवेशकों को सिर्फ यह देखने के बजाय कि सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां कौन बेच रहा है, यह भी देखना होगा कि बैटरी कौन बना रहा है, चार्जिंग नेटवर्क कौन खड़ा कर रहा है, फाइनेंस कौन दे रहा है और पुरानी बैटरियों को दोबारा इस्तेमाल लायक कौन बना रहा है।

चार्जिंग भी बन सकता है बड़ा कारोबार – देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ चार्जिंग की जरूरत भी तेजी से बढ़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2024 तक देश में 25,202 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन थे। पीएम ई–ड्राइव योजना में सार्वजनिक चार्जिंग ढांचे के लिए ₹2,000 करोड़ रखे गए हैं।

सरकार की रूपरेखा में शहरों में एक किलोमीटर गुणा एक किलोमीटर के दायरे में चार्जिंग स्टेशन और प्रमुख राजमार्गों पर करीब हर 20 किलोमीटर पर चार्जिंग की सुविधा का सुझाव शामिल है। भारी और लंबी दूरी के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए करीब हर 100 किलोमीटर पर तेज चार्जिंग की जरूरत बताई गई है।

इसलिए आने वाले समय में चार्जिंग स्टेशन अपने आप में एक बड़ा कारोबार बन सकते हैं।

बैटरी में ₹18,100 करोड़ का दांव – इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत और उसकी क्षमता का बड़ा हिस्सा बैटरी पर निर्भर करता है। इसलिए भारत देश में ही बैटरी सेल बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एडवांस बैटरी सेल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजना के लिए ₹18,100 करोड़ का प्रावधान है। इसके जरिए देश में 50 गीगावॉट घंटे की एडवांस बैटरी सेल उत्पादन क्षमता वाला ढांचा तैयार करने का लक्ष्य है। आने वाले सालों में बैटरी सेल, बैटरी पैक, बैटरी मैनेजमेंट और पुरानी बैटरियों की रिसाइक्लिंग जैसे कारोबार तेजी से बढ़ सकते हैं।

बिक्री बढ़ना मतलब हर कंपनी में कमाई नहीं – यहीं निवेशकों को सावधान रहने की भी जरूरत है। इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ने का मतलब यह नहीं कि इस कारोबार से जुड़ी हर कंपनी मुनाफा कमाएगी।

कंपनियों को ग्राहक जोड़ने, बैटरी, वारंटी, डीलर नेटवर्क, नई तकनीक और रिसर्च पर भारी खर्च करना पड़ता है। साथ ही कंपनियों के बीच कीमत घटाने की होड़ मुनाफे पर दबाव डाल सकती है। रिपोर्ट भी साफ कहती है कि तेज बढ़ोतरी अपने आप मुनाफे की गारंटी नहीं देती।

इसलिए निवेशकों के लिए सिर्फ ईवी बिक्री देखना काफी नहीं होगा। कंपनी का मुनाफा, कर्ज, बाजार हिस्सेदारी, बैटरी लागत, सर्विस नेटवर्क और नकदी की स्थिति भी देखनी होगी।

कुल मिलाकर, भारत की ईवी कहानी अभी इलेक्ट्रिक कारों से कहीं बड़ी है। फिलहाल स्कूटर और ऑटो इस बदलाव को सबसे तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन आने वाले चार–पांच साल में असली कारोबारी मौका गाड़ी के साथ–साथ बैटरी, चार्जिंग, फाइनेंस, सॉफ्टवेयर और रिसाइक्लिंग में भी बन सकता है। निवेशकों के लिए असली सवाल अब यह नहीं है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि इस बदलाव से पैदा होने वाली कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा किन कंपनियों के पास जाएगा।

पृष्ठ सं. 8 का शेष ..... वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी कार्यक्रम के दौरान चीन के वाणिज्य मंत्री से मुलाकात की थी।

अग्रवाल ने कहा, 'नेता पहले ही मार्गदर्शन कर चुके हैं कि दोनों पक्षों को एक–दूसरे की चिंताओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और साथ ही व्यापार में संरचनात्मक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं और दोनों पक्षों के बीच भरोसा कैसे बनाया जाए इस पर भी ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'नेताओं के मार्गदर्शन को ध्यान में रखते हुए मुझे लगता है कि दोनों पक्ष एक–दूसरे का पक्ष समझने में जुटे हैं। यह शुरुआती बैठक थी, इन चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए बाद में और बैठकें होंगी।' चीन भारत के लिए आयात का सबसे बड़ा स्रोत है और वित्त वर्ष 26 में भारत के कुल आयात में इसकी हिस्सेदारी 17 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 112 अरब डॉलर था। हाल के महीनों में चीन को भारत के निर्यात में भी काफी तेजी देखी गई है। वित्त वर्ष 2026 में पूर्वी एशियाई देशों को किए जाने वाले निर्यात में लगभग 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 19.47 अरब डॉलर तक पहुंच गया। अप्रैल–अगस्त के दौरान 9.61 अरब डॉलर के निर्यात के साथ चीन भारत के निर्यात के शीर्ष तीन गंतव्यों में शामिल रहा।

Information and Invitation

for Details Visit
www.batteryfair.co.in

5-6-7 February 2027

Campal Multipurpose Ground, Kala Academy, Panaji, **GOA**

21th India's Premier and Pioneer POWER ON® INDIA

B2B TRADE EXHIBITION AND TECHNICAL CONFERENCE

Lithium and Lead Batteries | Solar

alongwith

POWER ON BESS EXPO

Hybrid Inverter Systems | Battery Energy Storage System

You are invited at
21th BATTERIES/BATTERY PARTS/ SOLAR/UPS/BESS EXHIBITION ON 5th,6th & 7th February 2027 and Seminar on 4th February 2026 in GOA

Ask for

who?
what?
when?
where?
why?

Organised with Cooperation of:

Federation of Indian Small Scale Battery Associations

Shivam Info
Contact : 9650877171
email: shivaminfo1@gmail.com, **www.batteryfair.co.in**

A BATTERY DIRECTORY & SHIVAM INFO PRESENTATION

पृष्ठ सं. 6 का शेष ..... विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएं और प्रणाली–स्तर नवाचार शामिल होंगे। वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं भी विविधता ला रही हैं, जिससे भारत के लिए एक विश्वसनीय भागीदार बनने का अवसर है। यह दशक भारत को सेमीकंडक्टर नवाचार और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र बना सकता है।

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Mobile
9414061717
9314061717

रिलायंस का लक्ष्य प्रति वर्ष 40 अरब यूनिट हरित ऊर्जा का उत्पादन करना है; बैटरी गीगाफैक्ट्री का पहला चरण 2026 में शुरू होने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस न्यू एनर्जी इस साल अपनी 40 गीगावॉट की बैटरी सेल निर्माण सुविधा के पहले चरण को चालू करने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि परियोजना के लिए सभी प्रमुख उपकरण पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। कंपनी का इरादा बैटरी स्टोरेज की बढ़ती मांग को देखते हुए समय के साथ संयंत्र की वार्षिक क्षमता को 120 गीगावॉट घंटे तक बढ़ाने का भी है।

हरित ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य – कंपनी ने गुजरात के कच्छ में स्थित अपने ऊर्जा केंद्र से प्रति वर्ष 40 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली उत्पन्न करने का लक्ष्य रखा है। 5 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस सुविधा से भारत की वर्तमान वार्षिक बिजली आवश्यकता के लगभग 3% के बराबर बिजली उत्पादन होने की उम्मीद है। इस लक्ष्य की घोषणा रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान की गई।

सौर उत्पादन क्षमता – रिलायंस ने कहा कि उसकी सोलर पीवी सेल और मॉड्यूल उत्पादन लाइनें चालू हो गई हैं और लगभग 1 गीगावाट हेटरोजंक्शन टेक्नोलॉजी (एचजेटी) मॉड्यूल का निर्माण पहले ही हो चुका है। कंपनी के अनुसार, ये मॉड्यूल अपने परिचालन जीवनकाल में पारंपरिक सौर मॉड्यूल की तुलना में लगभग 2% अधिक ऊर्जा उत्पादन, 15% बेहतर तापमान प्रदर्शन और 25% कम क्षरण प्रदान करते हैं। **शेष पृष्ठ सं. 18 पर....**

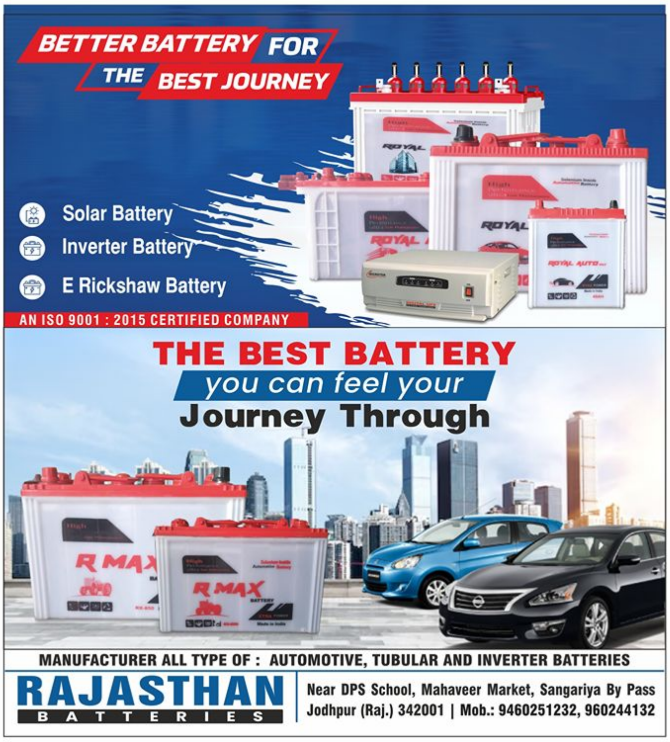

10th
MAHA EXPO™
Biggest Business Platform In India
SOLAR I EV
India's Largest
B2B Expo
INVITATION
20,000+ Visitor
Dealer /Distributor/Mfg.
India's Largest Platform For
Lithium Battery / EV Business
V-GUARD
SPST665
05 06 07
February-2027
Campal Multipurpose Ground,
next to Kala Academy, Campal,
Panaji, Goa – 403001.
Goa
7058688024 / 09325444423
mahaexpo2014@gmail.com
www.mahaexpo.org

पृष्ठ सं. 4 का शेष.....की तुलना में 94.599 अरब डॉलर बढ़ चुका था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इसमें 87.438 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। विदेशी मुद्रा भंडार का यह मजबूत स्तर भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही यह वैश्विक वित्तीय बाजारों और विदेशी मुद्रा बाजार में उतार–चढ़ाव के दौरान देश की स्थिति को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ट्रम्प या शी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है एआई

अमेरिकी एआई कंपनी एन्थ्रोपिक के मुखिया सहित कई अन्य एआई विशेषज्ञों ने कहा है कि जनेरेटिव एआई के विकास की रफ्तार पर अंकुश लगाया जाए। लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी ने इसे हास्यास्पद बताया। उसी स्वर में ट्रम्प ने भी कहा कि यह दुष्प्रचार अमेरिकी एआई दौर को रोकने की साजिश है और इससे चीन को फायदा होगा। एन्थ्रोपिक प्रमुख ने तो इसे पूरी दुनिया के मानव–जीवन के लिए खतरा बताते हुए तत्काल इस पर कंट्रोल करने के उपाय तैयार करने पर जोर दिया था। टेक दिग्गज आल्टमैन ने भी इसका अनुमोदन किया था। दरअसल एन्थ्रोपिक के वैज्ञानिकों ने एक लैब जांच में पाया कि उसके एआई जनेरेटिव सवालों के जवाब तलाशने में एक नया स्पेस पैदा कर उसमें कुछ नए शब्द स्वतः गढ़ रहे हैं। यानी एआई अपना मालिक स्वयं बनने की क्षमता तैयार कर रहा है। जाहिर है अगर एआई को रचने वाली कंपनियां या उसके टेक–दिग्गज यह कह रहे हैं तो गंभीरता और बढ़ जाती है। हमने देखा है कि वायरस के जेनेटिक म्यूटेशन पर शोध को खतरनाक और संहारक बनने से बचाने के लिए निगोया प्रोटोकॉल बना, फिर भी चीन के वुहान में गुप्त रूप से किए जा रहे शोध में एक वायरस लीक हो गया, जिसने कोरोना के नाम पर तबाही मचाई। परमाणु और जेनेटिक म्यूटेशन की तरह एआई के विकास को रोकना असंभव है, लेकिन इसके नियंत्रण के टूल्स अगर नहीं विकसित किए गए तो यह परमाणु बम से ज्यादा विध्वंसक होगा। फैसला किसी ट्रम्प या शी पर नहीं छोड़ा जा सकता।

पृष्ठ सं. 15 का शेष... **एकीकृत विनिर्माण श्रृंखला** – कंपनी पॉलीसिलिकॉन, सिल्लियों, वेफर्स, सेल्स, मॉड्यूल्स और ग्लास को कवर करने वाला एक एकीकृत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित कर रही है, जिसकी नियोजित वार्षिक क्षमता 20 गीगावाट है। इसे एचजेटी तकनीक के लिए अनुमोदित मॉडल और निर्माताओं की सूची प्राप्त हुई है, जिससे यह इस उन्नत सौर सेल तकनीक के लिए अनुमोदन प्राप्त करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है।

रिलायंस का व्यावसायिक दृष्टिकोण – रिलायंस ने बताया कि उसका नया ऊर्जा व्यवसाय निर्माण चरण से चालू चरण में प्रवेश कर रहा है, और चालू वर्ष के दौरान वाणिज्यिक राजस्व शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी को उम्मीद है कि यह सेगमेंट 2027 से वित्तीय प्रदर्शन में योगदान देना शुरू कर देगा। कंपनी ने मार्च में सैमसंग सी एंड टी के साथ हस्ताक्षरित अपने दीर्घकालिक हरित अमोनिया आपूर्ति समझौते का भी उल्लेख किया।

निष्कर्ष – रिलायंस ने अपने नए ऊर्जा कारोबार को बढ़ाने के लिए बैटरी सेल, सौर ऊर्जा उत्पादन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की समयसीमा तय कर दी है। कंपनी को उम्मीद है कि ये निवेश 2027 से परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में धीरे–धीरे योगदान देंगे।

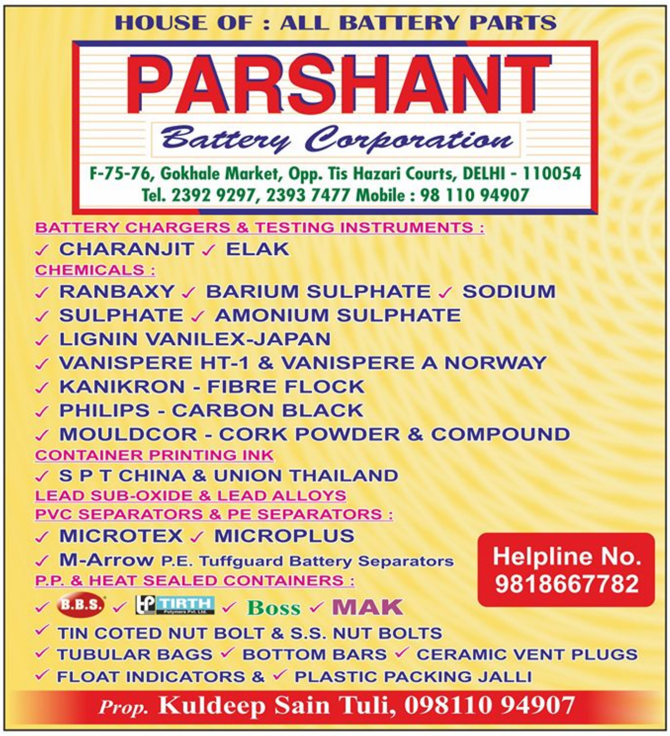

अमेरिकी फेड ने बढ़ाई ब्याज दरें, आगे भी बढ़ोतरी के संकेत

अमेरिका में महंगाई कम नहीं होने के कारण फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार को ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की। इसके बाद ब्याज दर 3.75 से 4 फीसदी के दायरे में पहुंच गई है। फेड ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले महीनों में ब्याज दरें फिर बढ़ सकती हैं।

केविन वार्श के फेड चेयरमैन बनने के बाद ब्याज दरों में यह पहली बढ़ोतरी है। उन्होंने मई के आखिर में पद संभाला था। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उन्हें फेड चेयरमैन चुना था। ट्रंप लंबे समय से अमेरिका में ब्याज दरें कम करने की बात करते रहे हैं। लेकिन महंगाई ज्यादा होने के कारण फेड ने ब्याज दर घटाने के बजाय बढ़ाने का फैसला किया है।

इस साल फिर बढ़ सकती हैं ब्याज दरें – फेड के नए अनुमान बताते हैं कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी यहीं नहीं रुक सकती। फेड के 18 में से 16 अधिकारियों का मानना है कि इस साल के आखिर तक ब्याज दर कम से कम एक बार और 0.25 फीसदी बढ़ सकती है। केवल दो अधिकारियों का मानना है कि अब ब्याज दरों में बदलाव नहीं होगा। फेड के अनुमान के मुताबिक इस साल के आखिर तक ब्याज दर 4 से 4.25 फीसदी के दायरे में पहुंच सकती है। 2027 के आखिर में भी ब्याज दर इसी स्तर के आसपास रह सकती है। फेड का कहना है कि ब्याज दर बढ़ाने से महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक लाने में मदद मिलेगी।

महंगाई अभी भी बड़ी चिंता – अमेरिका में महंगाई अभी भी ज्यादा बनी हुई है। फेड का अनुमान है कि 2026 में महंगाई 3.7 फीसदी रह सकती है। जून में इसके 3.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। फेड को अब उम्मीद है कि महंगाई 2029 में जाकर 2 फीसदी के लक्ष्य तक आ सकती है। पहले इसके 2028 तक इस स्तर पर आने की उम्मीद थी। अमेरिका में महंगाई बढ़ने के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं। इनमें ट्रंप सरकार के लगाए आयात शुल्क, पश्चिम एशिया में लड़ाई के कारण महंगा हुआ तेल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े कारोबार में हो रहा भारी निवेश शामिल है।

अर्थव्यवस्था को लेकर अनुमान बेहतर – फेड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि का अनुमान थोड़ा बढ़ाया है। अब 2026 में अर्थव्यवस्था के 2.3 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। जून में 2.2 फीसदी की वृद्धि का अनुमान था। वहीं इस साल के आखिर तक बेरोजगारी दर 4.1 फीसदी रहने का अनुमान है। जून में इसके 4.3 फीसदी रहने की उम्मीद थी।

अब बाजार की नजर केविन वार्श पर– ब्याज दर बढ़ाने का फैसला बाजार की उम्मीद के मुताबिक रहा। अब निवेशकों की नजर इस बात पर है कि फेड आगे क्या करेगा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि ब्याज दरें कितनी और बढ़ सकती हैं और कब तक ऊंची बनी रहेंगी। फेड के संकेत बताते हैं कि महंगाई कम नहीं हुई तो आने वाले महीनों में कर्ज और महंगा हो सकता है। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का असर केवल वहां तक सीमित नहीं रहता। इसका असर दुनिया भर के शेयर बाजार, सोने, डॉलर, बॉन्ड और दूसरी मुद्राओं पर भी देखने को मिल सकता है।

बुकिंग के लिए स्कैन करें
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
9414061717, 9314061717

हमारे विश्वस्तरीय TDK ब्रांड AC कैपेसिटर्स आपके मोटर स्टार्ट और मोटर रन उपयोग के लिए

TDK
In Everything, Better

Certifications:

Certifications:

हमारे विश्वस्तरीय TDK ब्रांड कैपेसिटर्स और कंपानेंट्स आपके PFC उपयोग के लिए

Channel Partner :
Lavti Associates Private Limited
M. : 9414368173 | W. : www.lavtiassociates.com, E-Mail : lavtijaipur@gmail.com

JAIPUR: 65, Neelgiri Colony, Near Hotel Gajab Gaon, Opp. Road No. 9 (VKIA), Sikar Road, Jaipur (Raj.)
UDAIPUR: 228, Badbadeshwar Mahadev Ji Road, Opp. Hotel Harsh Palace, Goverdhan Vilas, Udaipur (Raj.)

MEXIKO wonder

PVC INSULATION TAPE

100% Original

Genuine Quality

Made in Taiwan

GOMEC

CUSHION COMPOUND RUBBER PVC INSULATION TAPE, SELF ADHESIVE TAPE & ROLL

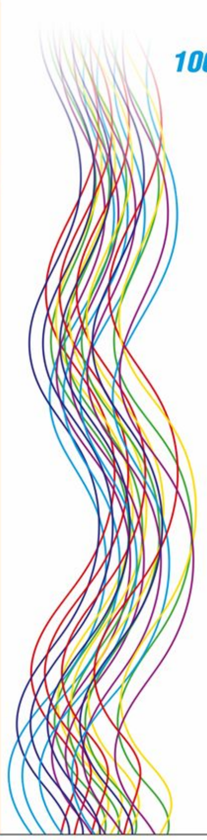

IS: 7809 | FIRE RETARDANT | ISO 9001-2008 | CE CERTIFIED

Dealer :
Lavti Associates Private Limited
JAIPUR: 65, Neelgiri Colony, Near Hotel Gajab Gaon, Opp. Road No. 9 (VKIA), Sikar Road, Jaipur (Raj.)
UDAIPUR: 228, Badbadeshwar Mahadev Ji Road, Opp. Hotel Harsh Palace, Goverdhan Vilas, Udaipur (Raj.)

Mob. : 9414368173
Email : lavtijaipur@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक तथा मुद्रक अशोक पारीक, एस–70, द्वितीय मंजिल, अग्रसेन टावर, विद्याधर नगर, जयपुर–302039 के लिए राज ब्लॉक्स, गोलछा सिनेमा के सामने, साईं बाबा के मन्दिर के पास, चौड़ा रास्ता, जयपुर से मुद्रित एवं एस–70, द्वितीय मंजिल, अग्रसेन टावर, विद्याधर नगर, जयपुर–302039 से प्रकाशित। फोन : 9414061717 संपादक अशोक पारीक।
इस अंक का मूल्य 15.00 रु. भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय का पंजीयक क्र. RNI Regn. No. : RAJBIL/2006/17530 E-mail : businesssource29@yahoo.com